www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 आखिर अमेरिका, चीन और रूस के...
3 भाजपा नेता पशुपतिनाथ सिंह हत्याकाण्ड में फैसला...
4 केंद्र सरकार के 11 साल सेवा, सुशासन और...

वर्ष: 9 | अंक: 229 | दिल्ली, शुक्रवार, 13 जून 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

टाटा ग्रुप ने एक-एक करोड़ रुपये की मदद का किया ऐलान

नई दिल्ली (एजेन्सी)। टाटा संस और एयर इंडिया के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन ने गुरुवार को घोषणा की कि टाटा समूह इस त्रासदी में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 1 करोड़ रुपये की सहायता राशि देगा। बयान में यह भी कहा गया कि टाटा समूह की कंपनियाँ बीजे मेडिकल के छात्रावास के निर्माण में सहायता प्रदान करेंगी। बता दें कि एयर इंडिया का विमान अक171 आज अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। 242 यात्रियों और 12 चालक दल के सदस्यों को लेकर यह विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था। विमान में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश नागरिक, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई यात्री सवार थे। वहीं, एयर इंडिया यात्रियों और एयर इंडिया कर्मचारियों के परिजनों के लिए अहमदाबाद के लिए दिल्ली और मुंबई से एक-एक राहत उड़ानें आयोजित कर रही है... दिल्ली और मुंबई में यात्रियों और कर्मचारियों के परिजन जो इन उड़ानों पर यात्रा करना चाहते हैं, वे हमारी हॉटलाइन 1800 5691 444 पर कॉल कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, जो लोग अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से आ रहे हैं और यात्रा करना चाहते हैं, वे हमारी हॉटलाइन +91 8062779200 पर कॉल कर सकते हैं।

दिल्ली में शिवाजी ब्रिज के पास रेलगाड़ी का डिब्बा पटरी से उतरा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। नयी दिल्ली में शिवाजी ब्रिज के पास बृहस्पतिवार को रेलगाड़ी का एक डिब्बा पटरी से उतर गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। यहां एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। गाजियाबाद से राष्ट्रीय राजधानी के निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन जा रही इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (ईएमयू) ट्रेन शाम करीब चार बजकर 10 मिनट पर पटरी से उतर गई। अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर इसके बहाली का कार्य किया जा रहा है।

पाकिस्तान का आतंकवाद को लेकर रिकॉर्ड बहुत स्पष्ट है : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (एजेन्सी)। विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान का रिकॉर्ड बहुत स्पष्ट है और पहलगाम हमला सीमापार आतंकवाद का केवल एक हालिया उदाहरण है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां अपने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में यह टिप्पणी की। यह टिप्पणी हाल में अमेरिका के एक शीर्ष जनरल द्वारा वाशिंगटन के भारत और पाकिस्तान के साथ संबंधों पर की गई टिप्पणियों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में आई। जायसवाल ने कहा, पाकिस्तान का रिकॉर्ड, पाकिस्तान क्या है, यह बहुत स्पष्ट है।

अहमदाबाद में एयर इंडिया का प्लेन क्रैश, विमान में सवार थे 242 यात्री

(एजेन्सी)।

गुजरात। गुरुवार दोपहर को एक दुखद घटना हुई जब अहमदाबाद से लंदन जा रहा एयर इंडिया का विमान मेघानी नगर इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के परिसर से घना धुआं उठता देखा गया। इस विमान में 242 यात्री सवार थे। हताहतों या दुर्घटना के कारणों के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक रिपोर्ट जारी नहीं की गई है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विमान दुर्घटना के संबंध में गुजरात के मुख्यमंत्री, गृह मंत्री और पुलिस कमिश्नर से बात की है। उन्होंने केंद्र सरकार की सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया है। यह एयर इंडिया का यात्री विमान था-बोइंग ड्रीमलाइनर 787 विमान। इसकी क्षमता 300 यात्रियों की थी। यह लंदन जा रहा था और इसलिए, यात्रा के लिए इसमें बहुत अधिक ईंधन था।

एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि अहमदाबाद-लंदन गैटविक उड़ान भरने वाली फ्लाइट AI-171 गुरुवार 12 जून 2025 को एक दुर्घटना में शामिल थी। इस समय, हम विवरण का पता लगा रहे हैं और जल्द से जल्द आगे की जानकारी साझा करेंगे।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की 90 कर्मियों वाली तीन टीमें गांधीनगर से विमान दुर्घटना स्थल पर भेजी गई हैं।

प्लेन हादसे में पूर्व मुख्यमंत्री का निधन

गुजरात (एजेन्सी)। गुजरात के 16वें मुख्यमंत्री रहे विजय रूपाणी उन 200 से ज्यादा लोगों में शामिल हैं, जिनकी मौत एयर इंडिया के विमान हादसे में हुई है। यह विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था। यह हादसा उस समय हुआ, जब विमान संख्या AI-171 अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरते ही मेघानीनगर इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। गुजरात बीजेपी के अध्यक्ष सीआर पाटिल ने विजय रूपाणी के निधन की पुष्टि की है। रूपाणी अपनी बेटी के घर लंदन जा रहे थे। जानकारी के मुताबिक, विजय रूपाणी की पत्नी अंजलि रूपाणी पिछले कई दिनों से लंदन में ही थीं और अब वह भी बेटी से मिलने के लिए पास जा रहे थे। इससे पहले विजय रूपाणी का ई-टिकट भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इससे पता चलता है कि उन्हें 30 जून को लंदन से अहमदाबाद लौटना था। अहमदाबाद पुलिस ने पुष्टि की है कि विमान में सवार 200 से ज्यादा लोग इस हादसे में बच नहीं पाए। हालांकि, 40 वर्षीय ब्रिटिश नागरिक रमेश विश्वास इस भयानक हादसे में बच गए। अब तक, वे इस हादसे में जीवित बचे एकमात्र व्यक्ति हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य रूपाणी 7 अगस्त, 2016 से 11 सितंबर, 2021 तक दो कार्यकाल के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने 2016 में आनंदीबेन पटेल की जगह ली और 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव में अपने राजकोट पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र को बरकरार रखने के बाद शीर्ष पद पर बने रहे।

हादसे की जांच होगी : केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू

(एजेन्सी)।

गुजरात। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु एयर इंडिया विमान दुर्घटना स्थल पर स्थिति का जायजा लेने पहुंचे। स्थिति का जायजा लेने के बाद नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा कि हादसे की जांच होगी, मौत का आंकड़ा बताना फिलहाल मुश्किल है। मोहन नायडू किंजरापु ने कहा कि हम निष्पक्ष और गहन जांच करेंगे और पता लगाएंगे कि यह घटना क्यों हुई। हमें अभी भी संख्या का पता लगाना है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह जानकर बहुत दुख हुआ कि (भाजपा नेता) विजय रूपानी भी वहां मौजूद थे, साथ ही अन्य नागरिक भी थे। उन्होंने आगे कहा कि मैं इस दुखद और भयावह घटना से पूरी तरह हिल गया हूँ। मैं अभी भी सदमे में हूँ। प्रधानमंत्री ने मुझे फोन करके घटनास्थल पर आने को कहा है। इस समय मैं सिर्फ यात्रियों और उनके परिवारों के बारे में सोच सकता हूँ। बचाव कार्य में कई एजेंसियां लगी हुई हैं। मैं अभी संख्या के बारे में कुछ नहीं कहना चाहता। हम हरसंभव मदद कर रहे हैं। यह जानकर बहुत दुख हुआ कि (भाजपा नेता) विजय रूपाणी भी वहाँ थे, और अन्य नागरिक भी थे। हम निष्पक्ष और गहन जाँच करने जा रहे हैं। हम इस घटना के कारणों की गहराई तक जाएँगे।

पीएम सूर्य घर योजना के तहत दिल्ली में सोलर पैनल लगाने की योजना को प्रोत्साहित किया जाए: आशीष सूद

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने दिल्ली में बिजली की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए बिजली कंपनी और ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। बैठक में तीनों बिजली कंपनी और विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

बैठक के बाद ऊर्जा मंत्री ने बताया कि की बैठक में दिल्ली में बढ़ते हुए बिजली के लोड को देखते हुए दिल्ली की सभी बिजली कंपनियों को अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को और मजबूत करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में मौसम की भविष्यवाणी को देखते हुए दिल्ली में बिजली कंपनी अपनी पूरी तैयारी रखें। प्राकृतिक आपदाओं जैसे तेज आंधी, भारी बारिश, पेड़ गिरने तथा कुछ असमान्य कारणों से यदि बिजली कटौती की जाती है तो उसको ठीक करने के लिए समय सीमा को कम करने के भी निर्देश दिए। ताकि उपभोक्ताओं को सुचारू और निर्बाध बिजली देने का प्रयास किया जा सके।

ऊर्जा मंत्री ने बताया की दिल्ली सरकार दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सभी नागरिकों को निर्वाध और सुचारू रूप से बिजली देने के लिए कटिबंध है इस दिशा में सरकार गंभीरता से कम कर रही है और किसी भी लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ऊर्जा मंत्री ने सभी बिजली कंपनियों को निर्देश दिए कि वह अपने क्षेत्र में बिजली के पुराने ग्रिडों को बदलने नई केवल डालने तथा बिजली के उत्पादन और वितरण में नई तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दें ऐसी व्यवस्था भी करें इससे फॉल्ट का तुरंत पता चल सके और रिस्पांस टीम तुरंत उसका समाधान भी कर सके साथ ही बिजली कंपनियां डाटा एनालाइज भी करें।

श्री सूद ने बैठक में उपस्थित बिजली कंपनियों को सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में भी तेजी से काम करने के निर्देश भी दिए उन्होंने कहा कि दिल्ली में बिजली की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए हमें सोलर ऊर्जा को अपनाने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी बिजली कंपनियों और ऊर्जा विभाग दिल्ली के हर बिजली उपभोक्ता को सोलर पैनल लगाने के लिए प्रोत्साहित करें और जिन क्षेत्र में बिजली के मीटर नहीं लग पा रहे हैं वहां पर सोलर पैनल से बिजली पहुंचाने की व्यवस्था के लिए भी गंभीर प्रयासों की जरूरत है।

इसके साथ ही मंत्री महोदय ने बिजली कंपनियों को किलोकरी में लगाए गए बैटरी बैंक की तर्ज पर अन्य क्षेत्रों में भी बैटरी बैंक लगाने की हिदायत भी दी।

माउंट एवरेस्ट बेस कैंप फतह करने वाले आठ वर्षीय आर्यन को राज्यपाल हरियाणा ने दिया आशीर्वाद

■ पंचकुला के आठ वर्षीय आर्यन ने 5,364 मीटर ऊंचे माउंट एवरेस्ट बेस कैंप तक का कठिन सफर तय कर किया हरियाणा का नाम रौशन

संजना भारती संवाददाता/विजेश कुमार

पंचकूला। पंचकुला के आठ वर्षीय आर्यन ने 5,364 मीटर ऊंचे माउंट एवरेस्ट बेस कैंप तक का कठिन सफर तय कर आज उन युवाओं को संदेश दिया जो नशे की लत में पड़कर अपनी ताकत को नष्ट कर रहे है। नन्हे आर्यन ने यह सिद्ध कर दिया कि यदि मन में मजबूत संकल्प कर ले तो कुछ भी हासिल किया जा सकता है और किसी भी गलत लत को छोड़ा भी जा सकता है।

आपको बता दें कि आर्यन की इस यात्रा की शुरूआत प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने अपने निवास स्थान कबीर कुटीर से 30 अप्रैल को झंडी दिखाकर की थी। हरियाणा के मुख्यमंत्री भी आर्यन की बहुत प्रशंसा कर चुके है। आठ वर्षीय आर्यन ने अब तक हरियाणा की सबसे ऊंची चोटी करोह पीक, शिवालिक रेंज की ऊंची चोटी चूड़धार पीक, भृगु लेक और खारदुंगला को पार किया। आर्यन पंचकुला के रूट्स कंट्री स्कूल में चौथी कक्षा में पढ़ता है। माउंट एवरेस्ट बेस कैंप फतह के बाद आज नन्हे आर्यन ने माननीय राज्यपाल हरियाणा बंडारू दत्तात्रेय से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। राज्यपाल हरियाणा बंडारू दत्तात्रेय ने आठ वर्षीय आर्यन को आशीर्वाद देते हुए आर्यन का मुंह मीठा करवाया और इतनी छोटी सी उम्र में ऐसा सराहनीय कार्य करने के लिए बधाई भी दी। इसके साथ ही राज्यपाल हरियाणा बंडारू दत्तात्रेय ने आर्यन के उज्ज्वल भविष्य के लिए भी शुभकामनाएं दी।

गौरतलब यह है कि आर्यन की माता ममता सौदा खुद माउंट एवरेस्ट की पर्वतारोही है और उन्होंने पर्वतारोहण में अपने करियर की शुरूआत 2003 में की थी। 2010 में ममता सौदा ने माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा लहराया पर्वतारोहण खेल के क्षेत्र में उनकी सेवाओं के लिए 2014 में उन्हें भारत सरकार द्वारा देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया गया। ममता सौदा वर्तमान में पुलिस मुख्यालय में डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर पर तैनात है और जिला पंचकूला में भी कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सराहनीय सेवाएं दे चुकी है।

आर्यन की इस अद्वितीय उपलब्धि ने हरियाणा ही नहीं बल्कि पूरे देश को गर्व से भर दिया है। 130 किलोमीटर की पैदल यात्रा तीन मई से शुरू हुई और मात्र 18 दिनों में 20 मई को समाप्त कर आर्यन ने 5,364 मीटर ऊंचे माउंट एवरेस्ट बेस कैंप पर तिरंगा लहराया दिया।

फारूक अब्दुल्ला ने विमान दुर्घटना में लोगों की मौत होने पर दुख जताया

(एजेन्सी)।

जम्मू-कश्मीर। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर बृहस्पतिवार को दुख व्यक्त किया और घटना की गहन जांच किए जाने की मांग की। अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा, मुझे लगता है कि कई वर्षों में यह पहली बार है जब हमारे देश में ऐसी कोई त्रासदी हुई है। मैंने सुना है कि जब विमान ऊंचाई पर था, तब बिजली संबंधी समस्या हो गई। यह एक इमारत से टकराया और भगवान ही जानते हैं कि इमारत के अंदर कितने लोग बचे। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। नेकां प्रमुख ने घटना की गहन जांच किए जाने की मांग की और अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि ऐसी घटनाएं फिर न हों। उन्होंने कहा, गहन जांच होनी चाहिए। मुझे लगता है कि ये नए विमान हैं और उन्हें पता लगाना चाहिए कि वास्तव में क्या हुआ। मैंने नहीं सुना है कि इन विमानों को ऐसी किसी भी समस्या का सामना करना पड़ा हो। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि वह दुर्घटना से स्तब्ध हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना से बहुत स्तब्ध और दुखी हूं। मेरी प्रार्थनाएं यात्रियों और उनके परिवारों के साथ हैं।

परवेश साहिब सिंह की अध्यक्षता में एनडीएमसी की दूसरी काउंसिल मीटिंग सपन्न

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद की दूसरी काउंसिल बैठक आज परिषद सदस्य और दिल्ली सरकार में PWD मंत्री परवेश साहिब सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में NDMC क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार, कर्मचारियों के कल्याण और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा की गई और उन्हें पारित किया गया।

पूर्व एनडीएमसी कर्मचारियों को उनके पति, पत्नी, वार्ड के नाम पर आवंटित टाइप-I और टाइप-II नगरपालिका क्वार्टरों के नियमितीकरण के लिए एक बार नीति में छूट, जो मूल आवंटी की सेवानिवृत्ति/मृत्यु के बाद एनडीएमसी के नियमित कर्मचारी हैं, यहां तक कि पति, पत्नी, वार्ड भी स्वीकार्य अवधि की समाप्ति के बाद आवेदन करते हैं और उनके खिलाफ अर्जित बकाया राशि को माफ कर दिया जाए। परिषद ने मंजूरी दी और अध्यक्ष प्रवेश साहिब सिंह ने कहा की दो साल की अवधि से ज्यादा रह रहे लोगों पर लगे पेनल्टी को भी माफ कर दिया जाएगा। प्रवेश साहिब सिंह ने मीडिया को बताया की एक ऐसा भी मामला है जिसमें परिवार के उपर 24 लाख की पेनल्टी थी जिसको माफ कर दिया गया।

परवेश साहिब सिंह ने इस निर्णय को सम्मान और सेवा का न्यायोचित प्रतिफल बताते हुए कहाः यह सिर्फ मकानों का नियमितीकरण नहीं है, बल्कि उन परिवारों को सम्मान देने का प्रयास है जिन्होंने वर्षों NDMC की सेवा की है। हमारा दायित्व है कि हम उनके साथ खड़े रहें। इसके साथ ही, जिन मामलों में कोई न्यायिक प्रक्रिया या मुकदमा कोर्ट में लंबित है, NDMC प्रशासन उन मामलों को वापस लेने की दिशा में भी आगे बढ़ेगा। एनडीएमसी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर पुरानी केबलों को बदलना।

योजना-33 केवी डिवीजन में पुरानी 33 केवी केबलों/फीडरों/इंटरकनेक्टर की क्रेडिट शीट प्राप्त हुई है, जिसमें यह उल्लेख किया गया है कि विभिन्न पुरानी मौजूदा 33 केवी केबलों/ फीडरों/ इंटरकनेक्टर ने अपना उपयोगी जीवन पूरा कर लिया है और बार-बार परेशानी/खामियां दे रहे हैं, इसलिए उन्हें बदलने की आवश्यकता है। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने 35 साल पुराने सभी केबल को बदलने का निर्देश दिया।

स्वास्थ्यकर्मियों के लिए HPCA और डॉकटरों को कन्वेयंस भत्ते की स्वीकृति NDMC के अंतर्गत आने वाले अस्पतालों, डिस्पेंसरियों और मलेरिया/ स्वास्थ्य विभागों में कार्यरत स्वास्थ्यकर्मियों को लेकर एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए परिषद ने हॉस्पिटल पेशेंट केयर अलाउंस और डॉक्टरों को कन्वेयंस अलाउंस को मंजूरी दी है। यह भत्ता 1 जुलाई 2017 से प्रभावी रूप से दिया जाएगा। अस्पताल/ औषधालयों में कार्यरत चिकित्सा डॉक्टरों (विशेषज्ञ/चिकित्सा डॉक्टरों से संबंधित) को वाहन भत्ता प्रदान किया जाना। विभाग की मंजूरी देने के लिए परिषद द्वारा संकल्प पारित किया गया।

यह निर्णय वर्षों से लंबित मांग को स्वीकार करने और फ्रंटलाइन स्वास्थ्यकर्मियों की सेवा भावना का सम्मान करने की दिशा में NDMC प्रशासन की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। एनडीएमसी क्षेत्र में ड्रेनेज सेवा केंद्रों के अंतर्गत जल निकासी लाइनों के सुधार के लिए हाइड्रोलिक हाई प्रेशर जेटिंग कम ग्रैबिंग कम रॉडिंग मशीन की खरीद एनडीएमसी क्षेत्र में वर्षा जल बहाव का प्रबंधन करने और शहरी बाढ़ को रोकने के लिए डिजाइन किए गए बरसाती जल नालों, मैनहोल, बेल माउथ और गली ट्रैप (जीटीएस) का एक व्यापक नेटवर्क शामिल है।

एनडीएमसी क्षेत्र में ड्रेनेज सेवा केंद्रों के अंतर्गत जल निकासी लाइनों के सुधार के लिए हाइड्रोलिक हाई प्रेशर जेटिंग कम ग्रैबिंग कम रॉडिंग मशीन की खरीद के लिए GeM पोर्टल के माध्यम से 5,20,15,000/- रुपये की राशि के प्रारंभिक अनुमान को मंजूरी देने के लिए परिषद द्वारा प्रस्ताव पारित किया गया है।

मथुरा और कानपुर में बनेंगे एकीकृत सरकारी कार्यालय

(एजेन्सी)।

उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मथुरा और कानपुर में जनपद एवं मंडल स्तरीय सभी सरकारी कार्यालयों को एक ही परिसर में स्थापित करने की जरूरत पर बलदेते हुए निर्देश दिए कि इन दोनों नगरों में एकीकृत संकुलों का निर्माण कराया जाए।

मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को मथुरा-वृंदावन और कानपुर महानगर के लिए तैयार विजन 2030 योजनाओं की समीक्षा की। राज्य सरकार द्वारा यहां जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कहा कि इन एकीकृत सरकारी कार्यालय परिसरों में अधिवक्ताओं के लिए उपयुक्त चैम्बर, पार्किंग की समुचित व्यवस्था, भोजनालय (फूड कोर्ट) और अन्य नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे कॉम्प्लेक्स प्रशासनिक कार्यों की सुगमता तो बढ़ाएंगे। साथ ही आमजन को अनेक कार्यालयों की परिक्रमा की समस्या से भी मुक्ति मिलेगी। मथुरा-वृंदावन के बारे में में मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत 50 वर्षों में इस क्षेत्र ने अनियोजित विकास और विरासत के क्षरण का दंश झेला है। हर साल करोड़ों श्रद्धालुओं के आवागमन से यातायात और सार्वजनिक सुविधाओं पर भारी दबाव पड़ता है। इससे निपटने के लिए

दीर्घकालीन नगर नियोजन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र की सांस्कृतिक और धार्मिक गरिमा को बरकरार रखते हुए समेकित अवसंरचना विकास के जरिये रोजगार के नए अवसर भी सृजित किए जाने चाहिए।

अधिकारियों ने बताया कि मथुरा-वृंदावन के लिए 30,080 करोड़ की अनुमानित लागत से कुल 195 परियोजनाएं प्रस्तावित हैं, जिनमें से 23 पर कार्य आरंभ हो चुका है और शेष 172 प्रक्रियाधीन हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि मथुरा और कानपुर नगरों का यह समग्र विकास विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने का सशक्त माध्यम बनेगा।

सम्पादकीय

पाकिस्तान और आतंकवाद

भारत के इस प्रतिनिधिमंडल ने दुनिया भर में पाकिस्तान को बेनकाब करने की कोशिश की। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि पाकिस्तान और आतंकवाद, एक दूसरे के पर्यायवाची बन चुके हैं। हाल के दिनों में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ से लेकर पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी सहित कई नेता यह स्वीकार कर चुके हैं कि पाकिस्तान आतंकवाद को पनाह देता रहा है। अमेरिका की यात्रा पर गए बिलावल भुट्टो जरदारी का एक और बयान काफी चर्चा में है जिसमें आतंकवाद का ठीकरा उन्होंने अमेरिका पर ही फोड़ दिया है। पाकिस्तान, अमेरिका और आतंकवाद इन तीनों के आपसी संबंधों की कहानी किसी से छिपी नहीं है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में स्काई न्यूज के साथ एक इंटरव्यू के दौरान बस अमेरिका की भूमिका पर फिर से मुहर लगाने का काम कर दिया था। ख्वाजा आसिफ के शब्दों पर गौर कीजिएगा। उन्होंने कहा था कि, हम करीब तीन दशक से अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए यह गंदा काम (आतंकवाद का समर्थन) कर रहे हैं। यह एक गलती थी और हमें इसकी कीमत चुकानी पड़ी, इसीलिए आप मुझसे यह कह रही हैं। अगर हम सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में और 9/11 के बाद की जंग में शामिल नहीं होते, तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग होता। जहां तक अमेरिका की बात है, वहां के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैए से उसकी पोल लगातार खुल रही है। पाकिस्तान पर एक के बाद एक अमेरिका जिस तरह की मेहरबानी कर रहा है,वह भी पूरी दुनिया देख रही है। लॉस एंजिल्स में जो कुछ हुआ उसके बाद अमेरिकी जनता को भी अहसास होने लगा है कि उन्होंने कितनी बड़ी गलती कर दी है। भारत अमेरिकी संबंधों में मचे घमासान के बीच अब हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता अपने सीमाओं की सुरक्षा और पड़ोसी देशों से बेहतर तालमेल स्थापित करना होना चाहिए। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अब पड़ोसी चीन से दो टूक भाषा में बात करने का समय आ गया है। चीन पाकिस्तान को हर तरह की ना केवल मदद मुहैया करा रहा है बल्कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य देश होने के नाते आतंकवादी संगठनों, आतंकवादियों और पाकिस्तान के लिए ढाल का काम भी कर रहा है। चीन पाकिस्तान के बाद श्रीलंका, म्यांमार, बांग्लादेश और नेपाल के सहारे भी भारत की घेरेबंदी कर रहा है। आखिर भारत इसे कब तक बर्दाश्त कर सकता है? बताया जा रहा है कि, चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेईडोंग इस सप्ताह भारत की यात्रा पर आ सकते हैं। इस साल दोनों देशों के बीच यह दूसरी उच्चस्तरीय यात्रा होगी। इससे पहले, भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी जनवरी में चीन की यात्रा पर गए थे। वहां सुन और मिसरी ने आपसी रिश्तों को सामान्य करने के लिए कई मुद्दों पर सहमति जताई थी। लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जिस तरह से चीन ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया। उसके बाद से अब माहौल काफी बदल गया है। भारतीय बाजार के बल पर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने वाले चीन से अब यह तो पूछा ही जाना चाहिए कि वह पाकिस्तान के रास्ते पर क्यों चलना चाहता है? पाकिस्तान तो आतंकवाद को पालते-पालते एक असफल देश बन चुका है लेकिन चीन जैसे बड़े देश को आखिर क्या मजबूरी है कि उसे आतंकवादियों का साथ देना पड़ रहा है। भारत और चीन के बीच आपस में विवाद है, यह एक कड़वी सच्चाई है लेकिन दुनिया के दो प्रभावशाली और बड़े देश होने के नाते इसे सुलझाने के कई तरीके हो सकते हैं। बातचीत से अगर ये मामले सुलझ जाए तो इससे बेहतर कुछ और नहीं हो सकता लेकिन क्या चीन की सेना इतनी कमजोर हो चुकी है कि अब उसे भी भारत को परेशान करने के लिए पाकिस्तान जैसे नाकाम देश और आतंकवादियों का सहारा लेने की जरूरत पड़ रही है? वक्त आ गया है कि भारत को अब दो टूक शब्दों में चीन से इन सवालों का जवाब मांगना ही चाहिए, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं ही यह कह चुके हैं कि आतंकवाद और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की यह नीति सिर्फ पाकिस्तान के साथ ही नहीं अपनानी चाहिए, बल्कि हर उस देश के साथ अपनानी चाहिए जो किसी भी सूरत में आतंकवादियों का बचाव करता है। भारत को यह कठोर संदेश भारत यात्रा पर आने वाले चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेईडोंग के जरिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग तक भेजना ही चाहिए।

जयंती

प्रेम धवन

जन्म: 13 जून, 1923; मृत्यु: 7 मई, 2001) हिंदी सिनेमा जगत के मशहूर गीतकार थे। उन्होंने हिन्दी फिल्मों के लिये कई मशहूर गीत लिखे। प्रेम धवन ना केवल गीतकार थे, वरन इन्होंने हिन्दी फिल्मों के लिये कुछ फिल्मों में संगीत भी दिया, नृत्य निर्देशन भी किया और अभिनय भी किया। प्रेम धवन ने पं. रवि शंकर से संगीत एवं पंडित उदय शंकर से नृत्य की शिक्षा ली। भारत सरकार ने प्रेम धवन को 1970 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया।

पुण्यतिथि

मुद्राराक्षस

जन्म-21 जून, 1933, लखनऊ; मृत्यु-13 जून, 2016) भारत के प्रसिद्ध लेखक, उपन्यासकार, नाटककार, आलोचक तथा व्यंग्यकार थे। उनके साहित्य का अंग्रेजी सहित दूसरी भाषाओं में भी अनुवाद हुआ है। वे अकेले ऐसे लेखक थे, जिनके सामाजिक सरोकारों के लिए उन्हें जन संगठनों द्वारा सिक्कों से तोलकर सम्मानित किया गया था। कहानी, कविता, उपन्यास, आलोचना, नाटक, इतिहास, संस्कृति और समाज शास्त्रीय क्षेत्र जैसी अनेक विधाओं में ऐतिहासिक हस्तक्षेप उनके लेखन की बड़ी पहचान है।

कल मिलेंगे

तेज बारिश में आधी रात को टिंकू पिज्जा लेने गया.

दुकानदार-आप शादीशुदा हो?

टिंकू गुस्से में बोला-ऐसे तूफान में कौन मां अपने बेटे को पिज्जा लेने भेजेगी...

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

आखिर अमेरिका, चीन और रूस के 'साम्राज्यवादी लव ट्रेंगल' को क्यों खटकता है भारत? समझिए विस्तार से

-कमलेश पांडेय

> भारत का सदाबहार दोस्त रूस मन ही मन गदगद है, क्योंकि अमेरिका और नाटो देशों के खिलाफ जो चक्रब्यूह 15 देशों का समूह सोवियत संघ या उसका बचा हुआ सर्वाधिक शक्तिशाली धड़ा रूस आज तक नहीं रच पाया, उसे भारत ने महाभारत कालीन चक्रब्यूह विधा की तर्ज पर ऐसा रचा की, उसमें फंसकर अमेरिका और यूरोपीय संघ दोनों चिग्घाड़ मार मार कर बचाओ बचाओ की आवाज लगा रहे हैं

अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की शतरंजी विसात पर भारत ने अमेरिका को जो पटखनी दर पटखनी दी है, उसकी खुन्नस अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चेहरे पर साफ महसूस की जा सकती है। वहीं, भारत के सम्बन्ध में उनकी बदलती नीतियों से अब यह स्पष्ट परिलक्षित हो रहा है कि रूस और भारत के संयुक्त चक्रब्यूह में निरंतर फंसते जा रहे अमेरिका के पास अब चीन के समक्ष घुटने टेकने के अलावा और कोई चारा भी नहीं बचा है। लेकिन आप यह जानकर और भी हैरत में पड़ जाएंगे कि इसके बाद भी अमेरिका की दुश्वारियां कम नहीं होने वाली हैं। ऐसा इसलिए की तेजी से वैश्विक महाशक्ति बनते जा रहे भारत ने अंतरराष्ट्रीय दुनियादारी में अमेरिका, चीन और रूस तथा इनके शागिर्द देशों/गठबंधन भागीदारों को साधते हुए खुद को आगे बढ़ाने का जो निश्चय किया है, उससे अमेरिका और चीन के होश फाख्ता हो चुके हैं।

वहीं, भारत का सदाबहार दोस्त रूस मन ही मन गदगद है, क्योंकि अमेरिका और नाटो देशों के खिलाफ जो चक्रब्यूह 15 देशों का समूह सोवियत संघ या उसका बचा हुआ सर्वाधिक शक्तिशाली धड़ा रूस आज तक नहीं रच पाया, उसे भारत ने महाभारत कालीन चक्रब्यूह विधा की तर्ज पर ऐसा रचा की, उसमें फंसकर अमेरिका और यूरोपीय संघ दोनों चिग्घाड़ मार मार कर बचाओ बचाओ की आवाज लगा रहे हैं। इधर, भारत के लिए परेशानियों का सबब बनते जा रहे चीन के खिलाफ भी भारत ने ऐसा चक्रब्युह रचा है कि देर सबेर उसमें उलझकर वह बर्बाद हो जाएगा। इसके लिए भारत ताइवान, तिब्बत और उन मध्य एशियाई देशों जो सोवियत संघ से जुड़े थे, के साथ समझदारी भरे आतंकवाद विरोधी रिश्ते प्रगाढ़ कर रहा है। उधर, अरब और यूरोप में अपनी स्थिति मजबूत बनाने के लिए भारत ने रूस का सहयोग लिया और इस विशाल भूभाग पर अमेरिका और चीन दोनों को कूटनीतिक पटखनी देने का जो निश्चय किया है, उससे देर-सबेर दिल्ली-मास्को एक्सप्रेस वे की आधारशिला तैयार हो जाएगी।

इधर, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में भी भारत अपनी स्थिति निरंतर मजबूत बना रहा है। अमेरिका के पड़ोसी देश कनाडा को भी वह देर सबेर काबू में कर लेगा, क्योंकि वहां पर पंजाबी लॉबी काफी मजबूत है। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका, चीन और रूस के बीच पूरी दुनिया को साम्राज्यवादी लिहाज से बांटने की जो डील करने वाले हैं, उसकी तैयारी में भारत सबसे बड़ा बाधक बन रहा है। जबकि कारोबारी से राष्ट्रपति बने ट्रंप ने अपनी योजनात्मक किताब में तीनों महाशक्तियों के बीच 3 ही पावर सेंटर्स होने की बात कही है और इसमें भारत के लिए कोई जगह नहीं है।

इस क्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप शायद यह भूल रहे हैं कि जिस ग्रेट ब्रिटेन से उन्होंने दुनिया की बादशाहत मिलकर छीनी है, अब वही यूरोपीय संघ की आड़ में अपना पुराना हिसाब किताब अमेरिका से चुकता करेगा। उसके इस मिशन में फ्रांस और इटली भी उसका साथ देंगे। इधर, प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध का मुख्य खलनायक रहा जर्मनी एक बार फिर रूस के खिलाफ मुखर होकर तीसरा विश्व युद्ध करवाने पर आमादा है। वहीं रूस के सहयोगी चीन, उत्तर कोरिया, ईरान जैसे देश आपसी समझदारी से जो कुछ कर रहे है, उससे अरब का संघर्षभूमि बनना स्वाभाविक है। इसके बाद अमेरिका के सहयोगी जापान, ऑस्ट्रेलिया, इजरायल, सऊदी अरब की भी परेशानी बढ़ेगी।

देखा जाए तो साम्राज्यवादी नजरिए से अमेरिका-चीन-रूस, रूस-चीन-अमेरिका, चीन-रूस-अमेरिका के अलावा समय समय पर रूस-चीन-भारत, अमेरिका-चीन-भारत, अमेरिका-रूस-भारत आदि के जो साम्राज्यवादी चक्रब्यूह तैयार किये गए, उसमें से किसी में भारत नहीं फंसा। क्योंकि कुल मिलाकर भारत ही एक मात्र ऐसा देश है जो गुटनिरपेक्ष है। उसका दोस्त रूस भी उसकी गुटनिरपेक्षता में मददगार साबित हुआ है। ऐसे में चाहे अमेरिका-यूरोप गठबंधन हो या रूसी यूरेशिया-चीन-अरब गठबंधन, इनके बीच महायुद्ध होना स्वाभाविक है। ऐसे में गुटनिरपेक्ष भारत का महत्व बढ़ेगा।

वहीं भारत ने रणनीतिक लिहाज से रूस-यूक्रेन युद्ध और अमेरिका संरक्षित इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध से दूरी बनाकर रखी है। वह चीन-ताइवान युद्ध शुरू होने का इंतजार कर रहा है। इसी बीच अमेरिका-चीन ने भारत को पाकिस्तान से भिड़ाने की जो साजिश रची, उसको भी भारत ने अपने पक्ष में मोड़ लिया। इससे अमेरिका-चीन की जहां कलई खुली, वहीं रूस के साथ हमारे रिश्ते और प्रगाढ़ हुए। भारत और इजरायल की समझदारी भी किसी से छिपी हुई नहीं है। यदि ग्रेटर इजरायल और ग्रेटर इंडिया का स्वप्न साकार हुआ तो दोनों मजबूत पड़ोसी बन जाएंगे। उधर ग्रेटर रूस बनने से वह भी हमारा पड़ोसी बन जाएगा। इससे अमेरिका व चीन के लिए यूरोप और एशिया में कोई जगह नहीं बचेगी, जबकि रूस का एक छत्र राज बढ़ेगा।

यही वजह है कि डोनाल्ड ट्रंप बौखलाए हुए हैं। जिस तरह से उन्होंने अपने सहयोगियों के साथ दगाबाजी की है, उसी तरह से उनके सहयोगी भी अब उनसे दगाबाजी कर रहे हैं। यही वजह है कि ट्रंफ ने अपने सहयोगियों की आलोचना की है और दुनिया भर से अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने की बात की है। स्वाभाविक है कि इससे रूस और चीन को फायदा होगा, जो यूरोप और एशिया में अमेरिकी सुरक्षा के खिलाफ ही सालों से काम करते आए हैं। यही वजह है ट्रंप की परिवर्तित नीतियों से सबसे ज्यादा डर अमेरिका के सहयोगियों में है।

बता दें कि कारोबारी से राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप के लिए सबसे प्यारा शब्द डील है। खासकर यदि बात चीन, रूस और भारत की हो तो अमेरिकी राष्ट्रपति और ज्यादा खुलकर सामने आ जाते हैं। दरअसल चीन, रूस और भारत से डील कर ट्रंप अपने अमेरिका में एक बड़ा संदेश देना चाहते हैं। वह यह कि वो उन नेताओं से डील कर सकते हैं, जिन्हें निगोसिएशन के टेबल पर लाना सबसे मुश्किल काम है। बता दें कि एक अमेरिकी अखबार में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वे रूस के साथ व्यापार को सामान्य करना चाहते हैं। इससे ऐसा लग रहा है कि वे यूक्रेन के साथ युद्ध को सुलझाने के लिए मॉस्को पर दबाव कम करने का ऑफर दे रहे हैं। इसके साथ ही, वे चीन के नेता से फोन करने का आग्रह करके अपने वैश्विक व्यापार पर पड़ रहे छाया युद्ध के प्रभाव को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, एक अन्य अमेरिकी मैग्जीन को दिए एक साक्षात्कार में ट्रंप ने दो टूक कहा है कि "हम सभी डील करना चाहते हैं। क्योंकि मैं यानी अमेरिका एक विशाल स्टोर है। यह एक सुंदर स्टोर है जहां हर कोई यानी प्रत्येक देश खरीदारी करना चाहता है।"

ऐसे में अमेरिकी अखबार का कहना है कि ट्रंप के दिमाग में रूस, चीन और भारत को लेकर कुछ और भी बड़ा हो सकता है। तब यह एक बहुत बड़ी डील होगी। लेकिन कुछ विदेश नीति विश्लेषकों का कहना है कि उनके कार्यों और बयानों से पता चलता है कि वे एक ऐसी दुनिया की कल्पना कर रहे हैं, जिसमें सिर्फ तीन ही बड़ी ताकतें हैं- संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और रूस। इन्हें मिलकर भारत का शोषण करना चाहिए। अमेरिका उन्हें रास्ता दिखाएगा और उनके घाटे को लाभ में बदल देगा। भारत को भड़काने की उनकी नई साजिश हो सकती है। क्योंकि अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत के क्वाड का कबाड़ा तो उन्होंने खुद पुनः पाकिस्तान का साथ देकर निकाल दिया है।

कूटनीतिज्ञ बताते हैं कि यह सबकुछ 19वीं सदी की साम्राज्यवादी शासन शैली की तरह ही होगा। क्योंकि ट्रंप ने डेनमार्क से ग्रीनलैंड छीनने और कनाडा को अमेरिका में मिलाने की बात कही है। वो पनामा नहर को फिर से अमेरिकी कंट्रोल में लाने की भी अपनी योजना की घोषणा वो कर चुके हैं। इस प्रकार से उनकी यह सोच 19वीं सदी की साम्राज्यवादी रणनीतियों की तरह है, जब यूरोपीय ताकतों ने अफ्रीका और एशिया को 'स्पीयर ऑफ इन्फ्लुएंस' के तहत बांट लिया था।

आपने गौर किया होगा कि डोनाल्ड ट्रंप अक्सर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के नेता शी जिनपिंग को मजबूत और बुद्धिमान व्यक्ति बताते हैं और उन्हें अपना करीबी दोस्त कहते हैं। कुछ ऐसा ही वो भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में भी कहा करते थे। लेकिन तीनों देशों के साथ वो कैसे छल करते हैं, यह भी दुनिया देख चुकी है।

एक तरफ ट्रंफ यूक्रेन से उसकी दुर्लभ खनिज संपदा छीनना चाहते हैं, जिसके लिए वह यूक्रेन के विभाजन का समर्थन कर रहे हैं और नाटो की आलोचना कर रहे हैं। कुछ इसी गरज से ट्रंप ने पुतिन से पिछले हफ्ते दो घंटे तक फोन पर यूक्रेन के बारे में बात की। ततपश्चात सोशल मीडिया पर लिखा कि "बातचीत का लहजा और भावना बहुत अच्छी थी।" यदि अंतरराष्ट्रीय विद्वानों की मानें तो "प्रभाव के क्षेत्रों पर नियंत्रण और विस्तार करना भव्यता की एक फीकी पड़ती भावना को बहाल करता है।" इसलिए आपको बता दें कि 'प्रभाव के क्षेत्र' शब्द की उत्पत्ति 1884-85 के बर्लिन सम्मेलन में हुई थी, जिसमें यूरोपीय शक्तियों ने अफ्रीका को विभाजित करने की एक औपचारिक योजना को अपनाया था।

यही वजह है कि भारत के मजबूती भरे परमार्थी रवैये से इतर अमेरिका, रूस और चीन के नेता "एक ऐसे अतीत की ओर देख रहे हैं, जो ज्यादा मुक्त और गौरवशाली था।" ऐसे में उनका मानना है कि 'स्पीयर ऑफ इन्फ्लुएंस' की सोच, खो चुके महाशक्तिशाली युग को दोबारा जीवित करने की लालसा को दशार्ती है। ऐसे में स्वाभाविक सवाल है कि ट्रंप की विदेश नीति में उनका 21वीं सदी का पार्टनर भारत कहां है? शायद कहीं नहीं, क्योंकि उसने रूस के प्रति वफादारी नहीं छोड़ी है। इसलिए अब अमेरिका की पश्चिमी गोलार्ध में अपने प्रभाव के क्षेत्र का विस्तार करने की इच्छा है। वहीं ट्रंप प्रशासन के कई पूर्व अधिकारी मानते हैं कि ट्रंप की विदेश नीति तात्कालिक और व्यक्तिनिष्ठ होती है, न कि कोई वैश्विक रणनीति बनाई जाती है।

फिर भी हालात बताते हैं कि ट्रंप और उनके कुछ सहयोगी दुनिया को साम्राज्यवादी दृष्टिकोण से देखने लगे हैं। लेकिन साम्राज्यवादी युग के बाद प्रभाव का क्षेत्र स्थापित करना आसान नहीं है, यहां तक कि एक महाशक्ति के लिए भी। यही वजह है कि ट्रंप ने यूक्रेन के बाद ताइवान और पाकिस्तान को लेकर आशंका पैदा कर दी है। ऐसा इसलिए कि चीनी विश्लेषक साफ बताते हैं कि "बीजिंग तो अमेरिका के साथ प्रभाव क्षेत्रों को लेकर एक बड़े सौदे की इच्छा रखता है और इसका पहला लक्ष्य ताइवान ही होगा।" लिहाजा यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या ट्रंप आगे जाकर ताइवान को लेकर सौदा तो नहीं कर लेंगे?

शायद रूस के साथ भी यूक्रेन को लेकर भी कुछ ऐसा ही कर सकते हैं। लेकिन कश्मीर और पाकिस्तान को लेकर वह भारत के प्रति उदार नहीं हैं। यही वजह है कि ट्रंप की यह नई सोच अमेरिकी विदेश नीति को न सिर्फ यूरोप बल्कि एशिया में भी अस्थिर बना सकती है। इससे चीन और रूस को भी नए सिरे से हिम्मत मिलेगी। संभव है कि ट्रंप की ये विचारधारा आने वाले महीनों में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भूचाल ला सकती है। यही वजह है कि अब अमेरिकी मीडिया में भी यह कहा जाने लगा है भारत के साथ ट्रंप जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं, वो अमेरिका की विदेश नीति के लिए बेहद घातक हो सकता है। बताया जाता है कि उनके पूर्ववर्ती बाइडेन प्रशासन ने भारत को इंडो-पैसिफिक में अहम साझेदार की तरह देखा, लेकिन ट्रंप की बदलती हुई नीतियां उसके खिलाफ हैं, जिससे अमेरिकी एक्सपर्ट्स ने अब यह कहना शुरू कर दिया है कि अमेरिका, एशिया में भारत जैसा अपना मजबूत पार्टनर खो सकता है। जाहिर तौर पर इसका नुकसान आने वाले वक्त में अमेरिका को ही चुकाना होगा।

वहीं, बदलते वैश्विक हालात को समझते हुए रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने सोमवार (9 जून, 2025) को भारत और चीन के रिश्ते पर बड़ी बात कहते हुए स्पष्ट किया कि, "उनको लगता है कि दोनों देशों के बीच तनाव काफी कम हो गया है इसलिए आरआईसी (फ्क्र) यानी रूस-इंडिया-चाइना के बीच त्रिकोणीय सहयोग बनाने का अच्छा मौका है।" सर्गेई लावरोव ने कहा कि आरआईसी त्रिकोणीय सहयोग का रुका हुआ काम फिर से शुरू हो सकता है।

उल्लेखनीय है कि साल 2020 के गलवन घाटी हमले के बाद भारत और चीन के रिश्तों में काफी तनाव आ गया था, जो इस साल 2025 की शुरूआत में कम होने लगा था, लेकिन भारत और पाकिस्तान की ताजा लड़ाई में चीन ने जो रुख अपनाया है, उसकी वजह से एक बार फिर दूरियां बढ़ गई हैं। मई माह में पाकिस्तान और भारत के बीच चली 3-4 दिन की लड़ाई के दौरान भले ही चीन ने सामने आकर पाकिस्तान का सहयोग न किया हो, लेकिन 10 मई को जैसे ही दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ तो चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने पाकिस्तान के सपोर्ट में बयान दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता और राष्ट्रीय स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए हमेशा पाकिस्तान के साथ खड़ा रहेगा। इसके अलावा, चीन पाकिस्तान को हथियारों का सबसे बड़ा सप्लायर है, जिनका इस्तेमाल लड़ाई के दौरान भारत के खिलाफ किया गया। हालांकि, भारत की ताकत के सामने ये हथियार कुछ कर नहीं सके। यही वजह है कि अब रूसी विदेश मंत्री को लगता है कि भारत और चीन के बीच तनाव कम हो रहा है।

मॉस्को में 'भविष्य-2050 के फोरम को संबोधित करते हुए सर्गेई लावरोव ने कहा कि आरआईसी प्रारूप में संयुक्त कार्य की बहाली बहुध्रुवीय वास्तुशिल्प के निर्माण समेत यूरेशियाई प्रक्रियाओं की दिशा में पहला कदम हो सकता है। रूसी समाचार एजेंसी तास के अनुसार लावरोव ने कहा, 'मुझे वाकई उम्मीद है कि हम रूस-भारत-चीन त्रिकोण के काम को फिर से शुरू कर पाएंगे। पिछले कुछ सालों से हमारी विदेश मंत्रियों के स्तर पर बैठक नहीं हुई है लेकिन हम अपने चीनी सहयोगी और विदेश विभाग के भारतीय प्रमुख के साथ इस मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं वास्तव में आशा करता हूं कि अब जब तनाव कम हो गया है, मेरी राय में, भारत और चीन के बीच सीमा पर काफी हद तक कम हो गया है और स्थिति स्थिर हो रही है तो ऐसे में नई दिल्ली और बीजिंग के बीच बातचीत हो रही है, तो हम इस रूस-भारत-चीन त्रिकोण के काम को फिर से शुरू करने में सक्षम होंगे।'

पिछले सप्ताह, एक पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल ने मॉस्को में लावरोव से मुलाकात की थी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का एक पत्र सौंपा।

सच, साजिश और नरसंहार की अनकही दास्तान

-दीपा लाभ

> विवेक अग्निहोत्री की फिल्में इतिहासनिष्ठ कथाएँ होती हैं, जैसे कश्मीर फाइल्स, ताशकंद फाइल्स जो दबे हुए सत्य उजागर करने की धृष्टता करते हैं। विवेक अग्निहोत्री अपनी फिल्मों में बोल्ड टोन के लिए प्रख्यात हैं। संवेदनशील, विवादित विषयों पर निर्भीक दृष्टिकोण के कारण आलोचकों से टकराव स्वाभाविक है, किन्तु बन्दे में दम है-वे अपनी प्रक्रिया जारी रखते हैं

आज रिलीज हुआ 'द बंगाल फाइल्स: राइट टू लाइफ' का टीजर एक बार फिर विवेक रंजन अग्निहोत्री की साहसपूर्ण कहानी शैली का परिचायक है। 'द बंगाल फाइल्स' 1940 के दशक में बंगाल में हुए साम्प्रदायिक हिंसा (विशेष रूप से डायरेक्ट एक्शन डे और नोहाखली दंगों) पर आधारित है। यह एक ऐसी घटना है जिसे अक्सर इतिहास की धुंध में गुम कहा जाता है, और अग्निहोत्री इसे हिन्दू नरसंहार की रूपरेखा में पेश करते हैं। टीजर में दी गई पिवोटल लाइन-"If Kashmir hurt you, Bengal will haunt you"-साफ इशारा करती है कि यह सिर्फ क्षेत्रीय ट्रैजिक स्टोरी नहीं, बल्कि एक इतिहास की परतों को उजागर करने वाली राजनीतिक-भावनात्मक फिल्म है। यह फिल्म दर्शकों, विशेषकर विवेक अग्निगोत्री के फैन्स के लिए बेहद खास होगी। गंभीर, अँधेरी और बेचैन करने वाली टोन, टीजर में देवी दुर्गा की जलती मूर्ति, तीखा संवाद, और कण-कण में यथार्थ का अहसास रोमाँच के लिए पर्याप्त है। मिथुन चक्रवर्ती का जर्जर लुक, जलते जीभ के साथ संविधान का उद्घोष-एक मेमोरेबल इमोशनल पल क्रिएट करता है। इतिहास से जुड़ी संवेदनशीलता को टीजर ने बखूबी दशार्या है जो एक ऐतिहासिक अनुसंधान की तैयारी लगती है-दर्शक व्यथित भी होंगे और सोचने के लिए मजबूर भी।

विवेक अग्निहोत्री की फिल्में इतिहासनिष्ठ कथाएँ होती हैं, जैसे कश्मीर फाइल्स, ताशकंद फाइल्स जो दबे हुए सत्य उजागर करने की धृष्टता करते हैं। विवेक अग्निहोत्री अपनी फिल्मों में बोल्ड टोन के लिए प्रख्यात हैं। संवेदनशील, विवादित विषयों पर निर्भीक दृष्टिकोण के कारण आलोचकों से टकराव स्वाभाविक है, किन्तु बन्दे में दम है-वे अपनी प्रक्रिया जारी रखते हैं। उनकी कहानी में सेंटिमेंट और पॉलिटिक्स का अनूठा संगम होता है।

क्रिटिक्स कहते हैं: द बंगाल फाइल्स टीजर पर अब तक कोई पूर्ण समीक्षा नहीं आई है, लेकिन कश्मीर फाइल्स और टाशकंद फाइल्स के लिए आलोचकों ने कहा था कि उनमें सच बोलने की हिम्मत है, अनसुने पहलुओं को सामने लेकर आये हैं और स्टोरीटेलिंग में इमोशनल इंटेंसिटी है। साथ ही, उन पर एकतरफा व्याख्या, ऐतिहासिक तथ्यों की चुनिंदा प्रस्तुति और सामाजिक विभाजन को बढ़ाने के आरोप भी लगाए गए। अग्निहोत्री खुद सोशल मीडिया पर ट्रोल्स को जवाब देते हैं। कश्मीर फाइल्स की अप्रत्याशित सफलता उन्हें अपने प्रशंसकों का खास बनाती है।

फिल्म दमदार कलाकारों से लैस है। मिथुन चक्रवर्ती, अपने रग्गड, दाढ़ी वाले लुक में दिखते हैं। संवेदनशील लोकतंत्र के उद्घोषक के रूप में उनकी आवाज में इतिहास का दर्द झलकता है। अनुपम खेर, पल्लवी जोशी, दर्शन कुमार, पुणीत इस्सर, गोविंद नामदेव-अनुभवी कलाकारों का समूह, जिनकी उपस्थिति फिल्म को करिश्माई बनाती है। बच्चू मान, नमाशी चक्रवर्ती (मिथुन के पुत्र)-युवा और वरिष्ठ प्रदर्शन का संयोजन, कहानी में पीढ़ीगत संवेदनाएँ जोड़ते हैं। टीजर में देवी दुर्गा की जलती मूर्ति-बंगाल की सांस्कृतिक विरासत को नीति नाटकीय रूप में उभारता है।

द बंगाल फाइल्स: राइट टू लाइफ का टीजर विवेक अग्निहोत्री स्टाइल का संक्षिप्त, तीखा और भावनात्मक प्रदर्शन है। यह एक जागरूकता और प्रेरणा देने वाली फिल्म होगी जो इतिहास की असहज परतें खोलती है। विरोधाभासी प्रतिक्रियाएँ, जहाँ तारीफ भी मिलेगी और विवाद भी होंगे, जैसे उनकी पिछली फिल्मों को मिला। सशक्त अभिनय, जहाँ मिथुन जैसी इंडियन आइकन बस उपस्थित होकर ही कहानी को मजबूती देते हैं। अग्निहोत्री के ट्रिलॉजी के तहत, यह तीसरा अध्याय बंगाल की साम्प्रदायिक त्रासदियों को नयापन, संवेदना और बहस के जरिए सामने लाएगा। यहाँ गौर करने वाली बात है, पहले द दिल्ली फाइल्स के नाम से रिलीज होने वाली फिल्म अब बंगाल फाइल्स के नाम से आई है। अतः यह कहना गलत नहीं होगा कि इस कड़ी में हमें एक और फिल्म देखने को मिल सकती है जो दिल्ली के गहरे राज उजागर करेगी। सत्य को जनता के सामने लाने का बीड़ा उठाने वाले विवेक अग्निहोत्री की इस फिल्म का भी उनके प्रशंसक बेसब्री से इंतजार करेंगे। बहरहाल, द बंगाल फाइल्स के टीजर ने पहले ही दर्शकों की जिज्ञासा जगाई है-ऑस्कर, आरोप, आलोचना-सब कुछ सामने आने वाला है 5 सितंबर 2025 को।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

गाजा में युद्ध से भयंकर तबाही, अब तक 55,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए

(एजेन्सी)।

गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, 20 महीने से चल रहे बेरहम इजरायल-हमास युद्ध में गाजा में मरने वालों की संख्या अब 55,000 को पार कर गई है। यह निराशाजनक आंकड़ा 7 अक्टूबर 2023 को भड़के संघर्ष में एक गंभीर मील का पत्थर है, जब हमास ने दक्षिणी इजरायल पर एक आश्चर्यजनक हमला किया था। उल्लेखनीय रूप से, युद्ध समाप्त होने के बहुत कम संकेत देता है, क्योंकि तबाही बढ़ती जा रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय, जो गाजा के हमास द्वारा संचालित प्रशासन का हिस्सा है, लेकिन स्वतंत्र चिकित्सा पेशेवरों द्वारा संचालित है, ने बताया कि लड़ाई शुरू होने के बाद से 55,104 लोग मारे गए हैं और कम से कम 127,394 घायल हुए हैं। अधिकारियों को डर है कि कई और पीड़ित मलबे के नीचे या उन क्षेत्रों में दबे हुए हैं जो चिकित्सकों के लिए पहुंचने के लिए बहुत खतरनाक या दुर्गम हैं।

हालांकि मंत्रालय ने कहा कि वह अपने आंकड़ों में लड़ाकों और नागरिकों के बीच अंतर नहीं करता है, लेकिन उसने कहा है कि रिपोर्ट की गई मौतों में आधे से ज्यादा महिलाएँ और बच्चे हैं। हालाँकि, इन आँकड़ों पर नियमित रूप से इजरायली अधिकारियों द्वारा सवाल उठाए जाते हैं, लेकिन पिछले संघर्षों में ये आम तौर पर स्वतंत्र निगरानीकताओं और मानवीय एजेंसियों द्वारा सत्यापित आँकड़ों के साथ मेल खाते हैं। इजरायल का कहना है कि उसके सैन्य अभियान पूरी तरह से हमास के आतंकवादियों के खिलाफ हैं और नागरिकों की मौत के लिए आतंकवादी समूह को ही दोषी ठहराता है। इजरायली अधिकारियों ने हमास पर घनी आबादी वाले शहरी इलाकों को ऑपरेशनल बेस के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है, जिससे नागरिक सीधे तौर पर खतरे में पड़ रहे हैं।

इजरायली सेना ने गाजा के विशाल क्षेत्रों को नष्ट कर दिया है, इसकी लगभग 90% आबादी को विस्थापित कर दिया है और हाल के हफ्तों में तटीय क्षेत्र के आधे से अधिक हिस्से को सैन्य बफर जोन में बदल दिया है, जिसमें अब ज्यादातर निर्जन दक्षिणी शहर राफा भी शामिल है। हमास के साथ युद्ध विराम समाप्त करने के बाद इजरायल द्वारा लगाई गई 2.5 महीने की नाकाबंदी ने अकाल की आशंकाओं को बढ़ा दिया और मई में इसमें थोड़ी ढील दी गई। एक नई इजरायली और अमेरिकी समर्थित सहायता प्रणाली की शुरूआत अराजकता और हिंसा से प्रभावित रही है, और संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि इजरायली प्रतिबंधों, कानून और व्यवस्था के टूटने और व्यापक लूटपाट के कारण उसे भोजन लाने में संघर्ष करना पड़ा है।

रुपया शुरूआती कारोबार में सात पैसे चढ़कर 85.46 प्रति डॉलर पर

(एजेन्सी)।

अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू शेयर बाजारों की सकारात्मक शुरूआत से रुपया बृहस्पतिवार को शुरूआती कारोबार में सात पैसे चढ़कर 85.46 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने हालांकि कहा कि विदेशी पूंजी की निकासी ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित किया।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.43 पर खुला। फिर 85.46 प्रति डॉलर पर लुढ़क गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त दशार्ता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.53 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.02 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 108.02 अंक की बढ़त के साथ 82,623.16 अंक पर जबकि निफ्टी 38.7 अंक चढ़कर 25,180.10 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 66.81 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 446.31 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

निकोलस पूरन के बाद अन्य खिलाड़ी भी ले सकते हैं संन्यास

(एजेन्सी)।

क्रिकेट इतिहास में कभी सबसे धाकड़ टीम रही वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम में एक बार फिर उथल-पुथल मच गई है। टीम केस्टार बल्लेबाज और विकेटकीपर निकोलस पूरन ने अचानक इंटरनेशनल क्रिकेट से सिर्फ 29 साल की उम्र में संन्यास ले लिया। पूरन ने ये फैसला टी20 वर्ल्ड कप 2026 से महज 8 महीने पहले ही लिया है जिसने फैंस और टीम को चौंका दिया है। इन सब के बीच टीम के मुख्य कोच डैरेन सैमी का एक बड़ा बयान सामने आया है। जिसने वेस्टइंडीज क्रिकेट की भविष्य की चुनौतियों को उजागर कर दिया है।

डैरेन सैमी ने कहा कि पूरन का ये फैसला महज एक शुरूआत है। उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले समय में और भी वेस्टइंडीज के खिलाड़ी इसी तरह अचानक इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं। सैमी ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से बातचीत के दौरान कहा कि, मेरी अंतरात्मा कह रही थी कि ऐसा कुछ होने वाला है। मैंने पहले ही पूरन और एजेंट से बातचीत कर ली थी और हमने उनके बिना ही टीम की रणनीति बनानी सुरू कर दी थी। पूरन के संन्यास को लेकर सैमी इमोशनल जरूर थे, लेकिन उन्होंने कमर्शियल एंगल से भी इस फैसले को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि, पूरन जैसे खिलाड़ी को मैं हमेशा टीम में रखना चाहूंगा। लेकिन मैं किसी खिलाड़ी के करियर का फैसला नहीं कर सकता। पूरन ने टीम को बधाई दी, और हमने भी उन्हें उनके भविष्य को लेकर शुभमकामनाएं दी हैं। डैरेन सैमी वेस्टइंडीज को 2012 और 2016 में दो बार टी20 वर्ल्ड कप जितवा चुके हैं। उन्होंने ने कहा कि आज के समय में खिलाड़ी इंटरनेशनल क्रिकेट को छोड़कर फ्रेंचाइजी लीग्स की ओर ज्यादा झुकाव रखने लगे हैं और ये एक बहुत ही सामान्य बात है। उनका मानना है कि अब टी20 क्रिकेट इतना फेमस हो गया है कि खिलाड़ी अपने करियर की शुरूआत में ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का फैसला कर लेते हैं मुझे पूरा भरोसा है कि आने वाले दिनों में और भी वेस्टइंडीज के खिलाड़ी ऐसा करेंगे।

सीबीएफसी से दिलजीत दोसांझ की सरदार जी 3 को प्रमाणन न देने का अनुरोध

(एजेन्सी)। फिल्म उद्योग जगत के नामी संगठन फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (एफडब्ल्यूआईसीई) ने बुधवार को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से अभिनेता-गायक दिलजीत दोसांझ की आगामी फिल्म सरदारजी 3 का प्रमाणन रोकने का आग्रह किया। एफडब्ल्यूआईसीई का आरोप है कि दिलजीत की फिल्म में पाकिस्तानी कलाकारों ने अभिनय किया है। भारत-पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव के मद्देनजर दो दिन पहले इस बात की अटकलें तेज हो गईं कि पाकिस्तानी कलाकार हानिया आमिर अब दिलजीत की पंजाबी फिल्म में नजर आएंगी या नहीं। सीबीएफसी अध्यक्ष प्रसून जोशी को भेजे गए एक पत्र में एफडब्ल्यूआईसीई ने फिल्म प्रमाणन संस्था से अनुरोध किया कि वह दोसांझ अभिनीत फिल्म को प्रमाण पत्र देने से परहेज करे, क्योंकि इसमें पाकिस्तानी कलाकार हानिया, नासिर चिन्योती, डैनियल खावर और सलीम अलबेला ने काम किया है।

भाजपा नेता पशुपतिनाथ सिंह हत्याकाण्ड में फैसला आज

वाराणसी। बहुचर्चित भाजपा नेता पशुपतिनाथ सिंह हत्याकांड में वृहस्पतिवार को न्यायालय ने सोलह अभियुक्तों को दोषी ठहराया, न्यायालय सजा सुनाईयेगी। घटना के अनुसार 2 अक्टूबर 2022 को भाजपा नेता पशुपति नाथ सिंह की आरोपियों ने शिवपुरवा में सरकारी ठेका और बीयर की दुकान पर हत्या कर दी गई थी। मृतक के लड़के रूद्रेश कुमार सिंह ने अगले दिन आरोपियों के खिलाफ थाना सिगरा में नामजद रिपोर्ट लिखाया था।

शराब और बीयर के ठेके पर मन्टू सरोज, राहुल सरोज, अनूप सरोज, अजभिषेक सरोज, बीयर पीने के बाद पैसे को लेकर विवाद कर रहे थे मृतक का छोटा लड़का शोर-गुल सुनकर मौके पर जाकर आरोपियों को समझाया-

अधिवक्ता प्रेम प्रकाश सिंह गौतम

बुझाया लेकिन आरोपी राजकुमार सिंह से उलझ गये तथा वापस आने की धमकी देते हुए चले गये लगभग 5 मिनट बाद ही 18-20 की संख्या में लाठी-डण्डा राड से लैश होकर वापस बीयर की दुकान के सामने आ गये तथा राजकुमार सिंह को मारने-पीटने लगें जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया।

द्रुतगामी न्यायालय प्रथम माननीय कुलदीप सिंह ने 16 आरोपियों को 302, 147, 307, 149, 34, 7 सी०एल०ए० में दोषी करार दिया सजा के बन्दु पर न्यायायल द्वारा फैसला सुनाया जायेगा। दो आरोपी विशाल गुप्ता व पवन सरोज पहले ही अपचारी घोषित किये जा चुके हैं इनका ट्रायल माननीय न्यायालय पास्को एक्ट में चल रहा है।

अभियोजन पक्ष की तरफ से मुकदमें की पैरवी वरिष्ठ अधिवक्ता रविशंकर राय, प्रेम प्रकाश सिंह गौतम, विनय बरनवाल, सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता मनोज गुप्ता व विनय सिंह ने पैरवी किया।

राष्ट्रीय आय सह मेधा छात्रवृत्ति में छात्रा ने पाई सफलता

एसबी संवाददाता

अकबरनगर। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के सौजन्य से राष्ट्रीय आय सह मेधा छात्रवृत्ति के लिए 19 जनवरी 2025 को आयोजित परीक्षा में कन्या मध्य विद्यालय श्रीरामपुर अकबरनगर की सुहानी कुमारी ने सफलता हासिल किया। सफलता हासिल करने और उज्जवल भविष्य के लिए लाइफ लाइन एजुकेशन प्वाइंट श्रीरामपुर अकबरनगर की तरफ से शुभकामनाए दिया है। इन्होंने सफलता हासिल करके स्कूल और गांव का नाम रौशन किया। राष्ट्रीय आय सह मेधा छात्रवृत्ति की तैयारी लाइफलाइन एजुकेशन प्वाइंट से प्राप्त की। सफलता का श्रेय लाइफलाइन एजुकेशन प्वाइंट, कन्या विद्यालय श्रीरामपुर के शिक्षक और माता पिता को दिया।

पत्रकार एसोसिएशन प्रयागराज यूपी संघ की एक दर्जन पत्रकारों ने ली सदस्यता

संघ के पदाधिकारियों ने जताया आभार दी बधाई एवं शुभकामनाएं

संजना भारती संवाददाता
मनोज कुमार बिन्द

बारा/प्रयागराज। पत्रकार एसोसिएशन प्रयागराज यूपी संघ के प्रदेश अध्यक्ष पी सी पाण्डेय, प्रदेश संगठन मंत्री ज्ञानेंद्र पाठक, तहसील इकाई बारा के तहसील अध्यक्ष रावेंद्र तिवारी एवं महामंत्री नीरज केसरवानी के नेतृत्व में बारा क्षेत्र के गौहनिया कार्यालय में गुरुवार को एक बैठक हुई। जिसमें एक दर्जन पत्रकारों को संघ की सदस्यता दिलाई गई। संघ के पदाधिकारियों ने नए सदस्यों के प्रति आभार जताते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। नए सदस्यों में प्रमुख रूप से परवेज आलम, राजेश चतुर्वेदी, महफूज अहमद, आबिद अली, मोहम्मद फाजत, मुकेश द्विवेदी, नवाज वारिस, राशिद हयात, राजकरण पटेल, नियामत हुसैन आदि के अलावा संघ के साथी भानू मिश्रा, माजिद अहमद, संजय कुशवाहा, मौजूद रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री का जन्मदिन सामाजिक सद्भावना दिवस के रूप में मनाया

एसबी संवाददाता

अकबरनगर। नगर पंचायत अकबरनगर के छोटी श्रीरामपुर के वार्ड न एक में राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के 78 वें जन्मदिवस को सामाजिक सदभावना दिवस के रूप में नगर पंचायत अध्यक्ष राजद अध्यक्ष शंभू कुमार शंभू के द्वारा वृक्षारोपन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्ष ने तेजस्वी यादव के उपमुख्यमंत्री रहते हुए 17 महीने के कार्यकाल में किये गये कार्यों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए माई-बहिन योजना के तहत 18 साल से ऊपर सभी महिलाओं को प्रति माह 2500 रूपया पेंशन एवं 200 यूनिट बिजली मुफ्त घोषणा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प। लिया।इस अवसर पर विकेश कुमार, संजीत कुमार, मो० इरशाद, ईस्माल हाफिज, धर्मवीर ठाकुर, अमोद तांती, प्रकाश यादव, अवधेश ठाकुर पिंकू यादव, बब्लू आलम, शुभम कुमार सहित दर्जनो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

'युद्ध नशों विरुद्ध' का 103वां दिन: 1.7 किलोग्राम हेरोइन, 14 किलोग्राम अफीम सहित 119 नशा तस्कर काबू

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। पंजाब के शिक्षा मंत्री और श्री आनंदपुर साहिब से विधायक, स हरजोत सिंह बैंस ने आज आनंदपुर साहिब हल्के में चल रही बाढ़ सुरक्षा परियोजनाओं में तेजी लाने का आदेश देते हुए संबंधित अधिकारियों को जून 2025 के अंत तक इन कार्यों को पूरा करने का लक्ष्य दिया है। यहां अपने कार्यालय में जल संसाधन, लोक निर्माण विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए, स. हरजोत सिंह बैंस ने श्री आनंदपुर साहिब हल्के में चल रहे बाढ़ सुरक्षा कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि हल्के में वर्तमान में 14 करोड़ रुपये की लागत वाली कुल 112 बाढ़ सुरक्षा परियोजनाएं चल रही हैं। इन परियोजनाओं में नालों और चोओं (मौसमी धाराओं) की सफाई, स्टडज और रेवेटमेंटज (किनारेबंदी) का निर्माण, चेक डैम और सोक पिट्स का निर्माण शामिल है। वर्षा ऋतु के दौरान इस क्षेत्र को बाढ़ के खतरों से सुरक्षित रखने के संबंध में मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए, स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि इस इलाके में जल संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए समग्र बुनियादी ढांचे का विस्तार और सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। स. हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि इन चल रहे बाढ़ सुरक्षा कार्यों का लाभ गांव नक्कियां, महिंदली खुर्द, बहरामपुर, रायपुर साहनी, चांदपुर, मिंढवां, निक्कू नंगल, जिंदवड़ी, तारापुर, भल्लड़ी, रामगढ़ बेला, पहाड़पुर और सद्धेवाल के निवासियों को मिलेगा, जिससे वर्षा के दौरान आने वाली बाढ़ से राहत मिलेगी और बेहतर सिंचाई सुविधाएं मिलेंगी।

गांव घोघड़ीपुर आर्य समाज में 7 दिवसीय युवा चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन

बच्चों को चरित्र निर्माण के साथ-साथ देश भक्ति व माता पिता तथा समाज सेवा की दी जा रही शिक्षा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। गांव घोघड़ीपुर आर्य समाज में 7 दिवसीय युवा चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें बच्चों को योगासन, प्राणायाम, जुडो कराटे, लाठी का प्रशिक्षण वैदिक मान्यताएं एवं चरित्र निर्माण के साथ-साथ देश भक्ति व माता पिता तथा समाज सेवा की शिक्षा दी जा रही है। रविवार 15 जून को सायं 5 बजे शिविर का समापन होगा।

इस अवसर पर जिला परिषद चेयरमैन प्रतिनिधि सोहन सिंह राणा मुख्यतिथि, व जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि बलवान विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। इस मौके पर आर्य समाज सभा के प्रधान बलविन्द्र आर्य ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से जहां बच्चों को संस्कारवान बनाया जाता है, वहीं बच्चों में सकारात्मक परिवर्तन लाने में भी सहायक सिद्ध होते है। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग शिविर भाग लेकर वैदिक जीवन मूल्यों, अनुशासन, नैतिकता और आत्म विकास से जुड़ी गतिविधियों में शामिल होकर एक सभ्य समाज का निर्माण करने में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने संदेश देते हुए कहा कि अपने बच्चों को फोन से दूर रखें। उन्हें योग व्यायाम, खेलों की ओर प्रेरित करें और अच्छे संस्कार दें। आर्य समाज सभा के प्रधान बलविन्द्र आर्य, मंत्री ओम प्रकाश आर्य, कोषाध्यक्ष बलराज मान, शिविर संयोजक भोपाल सिंह आर्य, महिन्द्र आर्य, राजिन्द्र आर्य, जितेंद्र मान व डॉ. सतीश आर्य सहित आदि मौजूद रहे।

कवि सम्मेलन की तैयारी जोरों पर

एसबी संवाददाता

बेगूसराय। काव्य हिन्दुस्तान अंतरराष्ट्रीय साहित्य समूह एक बार और चला (पटना-बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन) की ओर दिनांक- 29.6.2025 को आठवां ऑफलाइन कवि सम्मेलन पौधा वितरण,सम्मान समारोह की और समूह द्वारा भव्य राष्ट्रीय कवि सम्मेलन, सम्मान समारोह, पौधा वितरण, 29 जून 2025 बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन पटना में आयोजित किया जा रहा है। इसमें आने वाले आमंत्रित वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अरविंद असिम श्रीवास्तव मध्यप्रदेश, डॉ. बिनोद कुमार हंसौड़ा दरभंगा, गिरीश पाण्डेय वाराणसी से पधार रहे हैं। संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापिका रेखा शर्मा 'स्नेहा' ने देश-विदेश से साहित्यकारों का आह्वान किया है। इसमें देश के बहुत सारे साहित्यकारों की स्वीकृति प्रदान हुई है। यह संस्था द्वारा आयोजित आठवां अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, सम्मान समारोह आयोजित होगा इस कार्यक्रम की व्यवस्थापक विभा रानी श्रीवास्तव द्वारा संपन्न होगी संस्थापिका एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा शर्मा 'स्नेहा' ने आप सभी साहित्यकारों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया है।

इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आप रेखा शर्मा 'स्नेहा' से संपर्क कर सकते हैं-8809523081.

घोटालों का रिकार्ड तोड़ने में लगी है हरियाणा की भाजपा सरकार: कुमारी सैलजा

एसबी विशेष संवाददाता

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश में काम कम और घोटाले ज्यादा हुए है, अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत से घोटालों को अंजाम दिया जा रहा है, पर सरकार हाथ पर हाथ रखे बैठी है। कुमारी सैलजा ने कहा कि ज्यादातर विभाग भ्रष्टाचार में डूबे हुए है पर सिंचाई विभाग सरकार के राजस्व को ज्यादा चूना लगा रहा है। बाढ़ से पहले बचाव की तैयारियों को लेकर बाद में बाढ़ में प्रबंधनों के नाम पर फर्जी बिल बनाकर घोटाले किए जा रहे है जबकि सरकार हर विभाग में पूरी पारदर्शिता की बात करती है। सिंचाई विभाग में हाल ही में निमार्णाधीन प्रोजेक्ट में भारी घोटाला हुआ, आनन फानन में सरकार ने 12 एसई, 17 एक्सईएन, 22 एसडीओ और 29 जेई को चार्जशीट किया है और तीन चीफ इंजीनियरों के खिलाफ नाराजगी नोट जारी किया है। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में धान घोटाला, चावल घोटाला, शराब घोटाला और न जाने कितने घोटाले हुए विपक्ष शोर मचाता रहा पर सरकार जांच कराने को तैयार नहीं हुई क्योंकि इसमें सरकार के लोग ही शामिल थे। जनस्वास्थ्य विभाग और स्थानीय निकायों नगर पालिका, नगर परिषद और नगर निगमों में भ्रष्टाचार भीतर जाकर बैठ गया था, हर काम में घोटाला होता आया है पर सरकार को वहां पर भी पारदर्शिता दिखाई देती है। सिंचाई विभाग सीधे तौर पर किसानों और आम आदमी से जुडा हुआ है, नहरों के माध्यम से किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए पानी देता है साथ ही जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग को पेजजल उपलब्ध कराता है ताकि लोगों को पीने के पानी का मिल सके।

सिंचाई विभाग में किसानों से संबधित कार्य में ही सबसे ज्यादा घोटाला होता है, नहरों की साफ सफाई कागजों में दिखाकर फर्जी बिलों को भुगतान कर दिया जाता है, कभी तटबंधों की मरम्मत के नाम पर घोटाला किया जाता है, बाढ़ में जब तटबंध टूट जाता है तो कहा जाता है कि चूहों द्वारा तठबंध में बनाए बिल के कारण ही तटबंध टूटा है। बाढ़ में तटबंधों की मजबूती के लिए बोरों में रेत भरकर लगाए जाते है वहां पर बोरों की संख्या में अधिक दिखाकर, बोरों के रेट बाजार से कई गुना दिखाकर पैसा जेब में डाला जाता है, साथ ही बोरों में रेत भरने का खर्च अलग होता है, नहरों से निकली मिट्टी या रेत जिन वाहनों से दूर ले जाया जाता है पता चला कि वे वाहन बाइक और स्कूटर है। ऐसा सिरसा में पहले भी हो चुका है।

घोटालों को अंजाम अधिकारी ठेकेदारों के साथ मिलकर देते है और दे रहे हैं। अगर सरकार ईमानदारी से निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करे तो घोटालों पर काफी हद तक रोक लगाई जा सकती है पर जब घोटाला में सरकार के लोग या सत्ता पक्ष के लोग शामिल हो तब निष्पक्ष जांच होगी इसे लेकर बार बार संदेह होता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मुख्यमंत्री शहरी स्वामित्व योजना के लाभार्थियों को दिया तोहफा

प्रदेश के सभी जिलों के 250 पात्र लाभार्थियों को दुकानों की सौंपी रजिस्ट्रियां

संजना भारती संवाददाता

चण्डीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मुख्यमंत्री शहरी स्वामित्व योजना के लाभार्थियों को तोहफा देते हुए प्रदेश के सभी जिलों के 250 पात्र लाभार्थियों को उनकी दुकानों की रजिस्ट्रियां सौंपी। इससे पहले भी इस योजना के तहत प्रदेश में लगभग 6 हजार पात्र लाभार्थियों को यह लाभ दिया जा चुका है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला के सेक्टर-1 स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में आयोजित मुख्यमंत्री शहरी स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री वितरण समारोह में प्रदेशभर से आए लाभार्थियों को दुकानों की रजिस्ट्री सौंपकर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने विश्राम गृह परिसर में सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग द्वारा सरकार के पिछले 11 वर्षों की उपलब्धियों पर लगाई गई प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन किया। इस अवसर पर सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक श्री के.एम.पांडुरंग भी उपस्थित रहे।

समारोह को सम्बोधित करते हुए श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि दुकानों की यह रजिस्ट्रियां केवल कागज का टुकड़ा नहीं बल्कि उनके सपनों का भण्डार है। इन रजिस्ट्रियों के रूप में आज जो सूर्य उदय हुआ है, उसकी रोशनी हरियाणा के हर घर आंगन तक पहुंचेगी। हमारी सरकार का ध्येय कोई भी पात्र नागरिक सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि आज हम यहां केवल कुछ कागजात, कुछ रजिस्ट्रियां सौंपने के लिए ही एकत्रित नहीं हुए हैं। हम यहां आपके सपनों को पंख देने के लिए, आपकी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने और आपको आपकी अपनी जमीन का, अपनी दुकान का कानूनी रूप से मालिक बनाने के लिए एकत्रित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के शहरों में कई ऐसी बस्तियां और कॉलोनियां थीं, जहां सालों से बसे परिवारों के पास अपनी संपत्ति का मालिकाना हक नहीं था। शहरों में भी हमारे भाई-बहन इस समस्या से लंबे समय से जूझ रहे हैं। इसको देखते हुए प्रदेश सरकार ने निर्णय लिया कि 20 साल से अधिक समय से किराये या लीज अथवा लाइसेंस फीस पर चल रही पालिकाओं की दुकानों व मकानों की मलकीयत उन पर काबिज व्यक्तियों को ही दी जाएगी। इसी सोच के साथ प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री शहरी स्वामित्व योजना की शुरूआत की। हमारा लक्ष्य स्पष्ट था, हरियाणा के हर नागरिक को, चाहे वह गांव में रहता हो या शहर में, उसे अपनी संपत्ति का पूरा और निर्विवाद अधिकार मिले। आज यहां जो स्वामित्व पत्र और रजिस्ट्रियां सौंपी जा रही हैं, ये आपके स्वाभिमान का दस्तावेज है, ये आपके भविष्य की सुरक्षा गारंटी है और वर्षों से चले आ रहे भूमि विवादों का अंत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लाल डोरे के अंतर्गत गांव में किसी प्रकार की संपत्ति का राजस्व रिकॉर्ड नहीं हुआ करता था और मकान या प्लॉट की खरीद व बिक्री के समय रजिस्ट्री नहीं होती थी। ऐसी संपत्ति पर बैंक से ऋण भी नहीं मिलता था और मालिकाना हक पर भी झगड़े होते रहते थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इस दर्द को समझा और संकल्प लिया कि देश के हर नागरिक को उसकी संपत्ति का अधिकार मिलना चाहिए और इसी संकल्प से स्वामित्व योजना का जन्म हुआ। यह योजना आज लाखों परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हर पात्र लाभार्थी को उसका हक मिले इसके लिए प्रदेश सरकार ने पिछले 11 वर्षों में अनेक कानूनी विवादों का समाधान किया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लम्बे समय से ऐसे अनेक पट्टेदार किसान थे जो सालों से भूमि पर काश्त करते आ रहे थे परंतु वे मालिकाना हक से वंचित थे। इसके अलावा उनपर कानूनी तलवार भी लटकी रहती थी। प्रदेश सरकार ने ऐसे पट्टेदार किसानों को मालिकाना हक देने का काम किया है। इसी प्रकार पंचायत भूमि पर 20 वर्षों से अधिक समय से मकान बनाकर रह रहे लोगों को भी सरकार ने मालिकाना हक दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र व प्रदेश की डबल इंजन की सरकार ने लोगों के जीवन को सरल और सुगम बनाने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के हर व्यक्ति के सर पर छत के सपने को साकार करने की दिशा में केंद्र सरकार ने चरणबद्ध तरीके से 4 करोड़ से अधिक लोगों को घर देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के बजट में प्रधानमंत्री आवास योजना के बजट में पिछले वर्ष की तुलना में पांच गुणा वृद्धि की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी दिशा में आगे बढते हुए उन्होंने स्वयं विधानसभा सत्र के दौरान प्रदेश के 36 हजार लाभार्थियों को 151 करोड़ रुपए की राशि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रदान की।

हरियाणा में ड्रोन तकनीक से कृषि और आपदा प्रबंधन को मिलेगी नई दिशा

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां ड्रोन इमेजिंग एंड इंफॉर्मेशन सर्विसेज ऑफ हरियाणा लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक आयोजित हुई, जिसमें प्रदेश में ड्रोन तकनीक के विविध उपयोगों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि फसल स्वास्थ्य की निगरानी और बीमारियों की पहचान के लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में ड्रोन का उपयोग किया जाए। इससे किसानों को समय पर जानकारी उपलब्ध कराकर फसल हानि को रोकने में सहायता मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि पायलट चरण में आलू, चना, कपास, धान और सब्जियों जैसी फसलों को शामिल किया जाए, जिनमें सामान्यतः बीमारियों की संभावना अधिक होती है। उन्होंने कहा कि इससे किसानों की पैदावार में सुधार होगा और फसलों के नुकसान में कमी आएगी।

मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि ड्रोन दीदी योजना के तहत प्रदेश में 5,000 महिलाओं को ड्रोन तकनीक का प्रशिक्षण देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने दृश्या के अधिकारियों को अगली एक तिमाही में लगभग 500 महिलाओं को प्रशिक्षण देने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। यह पहल महिलाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाकर उन्हें स्वरोजगार के अवसर प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ड्रोन तकनीक का उपयोग प्राकृतिक खेती, विशेष रूप से जीवामृत के छिड़काव के लिए किया जाए। इसके लिए किसानों को भी आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, ताकि वे आधुनिक तकनीक के साथ-साथ पर्यावरण अनुकूल खेती की ओर अग्रसर हो सकें।

दृश्या के सीईओ श्री फूल कुमार ने बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि दृश्या द्वारा एचटी पावर लाइन निरीक्षण, लार्ज स्केल मैपिंग, आपदा प्रबंधन, यातायात प्रबंधन निगरानी, अवैध खनन निगरानी और फसल स्वास्थ्य निगरानी आदि जैसी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। लार्ज स्केल मैपिंग प्रोजेक्ट के तहत 6100 स्क्वायर किलोमीटर से अधिक एरिया को कवर किया जा चुका है। अब तक 21 एचटी पावर लाइनों के 680 किलोमीटर क्षेत्र का सफल निरीक्षण किया गया है और समय रहते कई तकनीकी खामियों की पहचान कर उन्हें दूर किया गया है। किसानों के लिए चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत अब तक 135 किसानों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

बैठक में बताया गया कि यूएवी उड़ान प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए करनाल में रिमोट पायलट प्रशिक्षण संगठन (आरपीटीओ) में लगभग 243 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

राजस्व विभाग के अलावा शहरी स्थानीय निकाय, बिजली, आपदा प्रबंधन, खनन, वन, यातायात, नगर एवं ग्राम नियोजन तथा कृषि जैसे अन्य विभागों में भी ड्रोन का उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। इससे शहरी क्षेत्रों में मैपिंग, भूमि रिकॉर्ड, आपदा प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं तथा विकास योजनाओं में सहायता मिल रही है। उन्होंने भविष्य की कार्य योजना साझा करते हुए बताया कि विभिन्न विभागों की आवश्यकताओं के अनुसार ड्रोन का उपयोग कर अवैध खनन, आपदा प्रबंधन, यातायात निगरानी, और अनधिकृत निर्माण की पहचान जैसे क्षेत्रों में काम को विस्तार देने की दृश्या की योजना है।

बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजा शेखर वुंडरू, नगर एवं ग्राम नियोजन तथा शहरी संपदा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री ए.के. सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, नागरिक संसाधन सूचना विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री विकास गुप्ता, नागरिक उड्डयन विभाग की आयुक्त एवं सचिव श्रीमती अमनीत पी कुमार, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक श्री के मकरंद पांडुरंग और लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गिरीश कुमार सहित दृश्या के अतिरिक्त सदस्य भी उपस्थित रहे।

विधायक योगेंद्र राणा की अध्यक्षता में नगरपालिका असंध हाउस की बैठक हुई सम्पन्न

■ वार्ड 15 के पार्षद सीमांत शर्मा ने मॉडल गली बनाने की मांग की

संजना भारती संवाददाता

असंध। नगरपालिका असंध हाउस की बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता असंध विधायक योगेंद्र राणा ने की। बैठक में असंध शहर के 105 विकास कार्यों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई और सभी कार्यों पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

इस मौके पर विधायक योगेंद्र राणा ने कहा कि विकास कार्यों की समय-सीमा तय कर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करना अनिवार्य है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ठेकेदारों की कार्यशैली पर सख्त निगरानी रखी जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में चर्चा की गई कि आगामी मानसून से पूर्व नालों की सफाई का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए। एवं शहर के पार्कों की मरम्मत, सौंदर्यीकरण और रखरखाव को प्राथमिकता दी जाए। विधायक ने बैठक में डिवाइडरों की लाइटें पूरी तरह चालू रहें, खराब लाइटों को तुरंत ठीक करने के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को कहा किअसंध शहर में एक मॉडल गली निर्माण किया जाए इसके अतिरिक्त प्रॉपर्टी ID सुधार के लिए शनिवार, 14 जून को असंध शहर में विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा।

वार्ड 15 के पार्षद सीमांत शर्मा ने जनहित में सुझाव देते हुए कहा कि बाईपास से लेकर बालाजी मंदिर तक वाली गली को एक मॉडल गली का रूप दिया जाए जिससे शहर का सौंदर्य कारण होगा और आगामी बरसात को देखते हुए उन्होंने कहा कि समय रहते शहर के सभी नालों की सफाई की जाए जिससे बरसात का पानी आसानी से निकल सके उन्होंने यह भी कहा कि 15 वार्ड के जो भी विकास कार्य हैं उन्हें प्राथमिकता के आधार पर किया जाए

इस मौके पर नगर पालिका असंध का नया कार्यालय शहर से बाहर खुली जगह में बनाने का सुझाव विधायक योगेंद्र राणा द्वारा रखा गया, जिसमें अत्याधुनिक सुविधाएं जैसे अधिकारियों के कार्यालय, बैठक कक्ष, पार्किंग आदि का प्रावधान हो।

बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने इस विचार पर सहमति जताई। बैठक में नगरपालिका चेयरपर्सन सुनीता अरडाना, वाइस चेयरमैन राजिंदर ढींगड़ा, सचिव प्रदीप जैन, एम.ई. अशोक कुमार, सभी पार्षदगण एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के ठेकेदार द्वारा खोदा गया गड्ढा बना परेशानी

■ खड्डा खोदते समय केबल तार कट गई है, तार रिपेयर होने के बाद खड्डे को भरा जाएगा: जेई हरि सिंह

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ठेकेदार द्वारा सिवरेज पाइपलाइन दबाने का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान राजौंद के मेन बाजार, वार्ड 11, टी प्वाइंट पर मेन रोड के सिवरेज दबाने के बाद बने इस बीस फिट लम्बे व बारह फिट गहरे खडे को पिछले एक सप्ताह से खुला छोड़ रखा है। इस खड्डे से बड़ा हादसा हो सकता है। ठेकेदार द्वारा बैरिकेड भी नहीं लगाई गई है। खड्डे को इंडिकेट नहीं किया गया है। दुकानों के आगे बना हुआ यह गहरा गड्ढा दोपहिया वाहन चालकों, पैदल यात्रियों के लिए जान माल के भारी नुकसान का कारण बन सकता है। मिट्टी के लगे हुए अंबर ने दुकानदारों, नागरिकों, वाहन चालकों का जीवन दुश्वार कर दिया है। दुकानदारों ने बताया कि ठेकेदार द्वारा नियमित रूप से पानी का छिड़काव नहीं किया जा रहा। जिससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

समस्या के बारे में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जय हरि सिंह से फोन पर बात की गई तो उन्होंने बताया कि बकोल ठेकेदार इस खड्डे में केबल की तार कट गई थी जिसे रिपेयर कर खड्डे को भरा जाएगा।

गौरतलब है कि मेन बाजार राजौंद के टी-प्वाइंट पर काम पूरा होने के एक सप्ताह के बाद भी केबल तार रिपेयर नहीं हो पाई और न खड्डे को भरा जा सका। नगर में चर्चा है कि इस खड्डे में गिर कर कोई घायल होता है या किसी को जान-माल का नुकसान होता है तो जिम्मेदार कौन होगा। नागरिकों ने विभाग से अनुरोध किया है की केबल तार को रिपेयर कर इस खड्डे को यथाशीघ्र भरा जाए। ताकि किसी को जानी माली नुकसान ना हो। जनहित में विभाग को इस काम को प्राथमिकता के आधार पर करना चाहिए।

विभिन्न योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 2300 प्रतिभागियों ने लिया भाग, 885 पौधों का किया गया वितरण व पौधारोपण: डॉ सतपाल

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ0 सतपाल ने बताया कि जिला में 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफलतापूर्वक मनाने व हरित योग अभियान तथा योग युक्त नशा मुक्त हरियाणा के तहत विभागीय निदेर्शानुसार विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में वीरवार को आयोजित विभिन्न योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 2300 प्रतिभागियों ने भाग लिया और 885 पौधों का वितरण व पौधारोपण किया गया।

उन्होंने बताया कि प्रथम कार्यक्रम कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, द्वितीय पंडित चिरंजी लाल शर्मा राजकीय कॉलेज, तृतीय राजकीय महिला कॉलेज रेलवे रोड करनाल, चतुर्थ गुरु ब्रह्मानंद गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज नीलोखेड़ी, पांचवां कार्यक्रम जिला कारागार करनाल में आयोजित किया गया तथा सात अन्य कार्यक्रम जिला करनाल के ब्लॉक असंध, मूनक, घरौंडा, कुंजपुरा, इंद्री, नीलोखेड़ी तथा निसिंग ब्लॉक में भी योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण का अभ्यास करवाया गया।

उन्होंने बताया कि कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल का कार्यक्रम डायरेक्टर डॉक्टर महेंद्र कुमार गर्ग की देखरेख में आयोजित किया गया। प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम में आयुष विभाग करनाल के योग विशेषज्ञ डॉ अमित पुंज ने ऊँ के पवित्र उच्चारण के साथ शिविर का शुभारंभ किया। इसके उपरांत आसन, प्रणायाम एवं ध्यान का अभ्यास करवाया गया। आयुष योग सहायक कुसुम शर्मा एवं रीटा शर्मा ने योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण के सभी अभ्यासों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में आयुष विभाग करनाल द्वारा पेड़-पौधों का वितरण व पौधारोपण किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार के औषधीय पेड़ पौधे शामिल थे।

उन्होंने बताया कि 12 से 14 जून तक कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में सभी अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त योग पर एक विशेष कॉन्फ्रेंस तथा वर्कशॉप का आयोजन भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 13 जुलाई को कैथल में मैराथन को दिखाएंगे हरी झंडी

■ मैराथन को भव्य बनाने के लिए गंभीरता से तैयारी करें अधिकारी: पंकज नैन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। मुख्यमंत्री के विशेष कार्यकारी अधिकारी (कम्यूनिटी, पुलिसिंग एवं आउटरीच) आईजी पंकज नैन ने कहा कि आगामी 13 जुलाई को मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी कैथल में मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। साथ ही विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी करेंगे। इस आयोजन को भव्य बनाने के लिए सभी अधिकारी समय रहते अपने-अपने विभाग से संबंधित तैयारियां पूरी कर लें। इस मैराथन का थीम ड्रग फ्री हरियाणा रहेगा।

मैराथन के आयोजन को लेकर लघु सचिवालय परिसर में आयोजित जिले के अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए आईजी पंकज नैन ने कहा कि हरियाणा उदय आउटरिच कार्यक्रम को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा कई जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी के तहत कैथल में आगामी 13 जुलाई को मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। जिला प्रशासन इस मैराथन के लिए रूट तय करेगा। शुरूआती जगह से हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी मैराथन को हरी झंडी दिखाएंगे। मंच से कलाकारों की प्रस्तुति के माध्यम से ड्रग फ्री हरियाणा का संदेश देते हुए कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस मैराथन में अधिक से अधिक संख्या में युवाओं सहित जिला वासियों की भागीदारी के लिए एक पोर्टल बनाया जाएगा, जिसमें सभी धावक अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। जिला प्रशासन सुनिश्चित करें कि स्कूलों, कॉलेजों से विद्यार्थी, स्वयं सेवी संस्थाओं के स्वयं सेवक, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारी, महिला संगठन, व्यापारिक एवं अन्य जिले के संगठन से जुड़े लोग इस मैराथन में सक्रिय रूप से भाग लें।

सरपंच व पार्षद सुनिश्चित करें कि उनके क्षेत्रों से लोग इस मैराथन में भाग लेकर लोगों को जागरूक करें। उन्होंने कहा कि मैराथन को लेकर धावकों में विशेष क्रेज रहता है। बहुत से विदेशी धावक भी इनमें भाग लेते हैं। इसके लिए जिला प्रशासन गंभीरता से तैयारी करवाए। जो रूट तय किया जाए, उसमें गड्ढे आदि को समय से भरा जाए। समाज सेवी संस्थाएं इस मैराथन के रूट पर अपने स्टॉल भी लगा सकते हैं।

डीसी प्रीति ने कहा मैराथन के आयोजन के लिए सभी अधिकारियों को निर्देश दिए जा चुके हैं। उन्होंने कार्यक्रम के नोडल अधिकारी आईजी पंकज नैन को आश्वस्त किया कि मैराथन का आयोजन भव्य रहेगा। जिले में भारी संख्या में युवा सहित लोग भाग लेंगे।

इस अवसर पर एसपी आस्था मोदी, आरटीए गिरीश कुमार, एसडीएम अजय कुमार, सीटीएम गुरविंद्र सिंह, आउटरीच कार्यक्रम सलाहकार पंखुड़ी गुप्ता, सुमित सैनी, बलदेव सिंह, समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों में शिव शंकर पाहवा, नरेश कुमार ढुल, सुभाष नारंग, बलवंत, टेकचंद, कुलदीप, राजकुमार, प्रमोद, अशोक सैनी, सतपाल सैनी, गोविंद गर्ग, धर्मपाल, आरकेएसडी कॉलेज प्रिंसिपल प्रो. सत्यवीर मैहला, डा. बीरबल दलाल सहित जिले के आला अधिकारी मौजूद रहे।

राजकीय महिला महाविद्यालय बसताड़ा में सूक्ष्म व्यायाम एवं योगासन अभ्यास कार्यक्रम आयोजित

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। राजकीय महिला महाविद्यालय बसताड़ा की प्राचार्या कमलेश रानी ने बताया कि 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में वीरवार को महाविद्यालय के प्रांगण में सूक्ष्म व्यायाम एवं योगासन अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें स्टाफ के सभी शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक सदस्यों के साथ छात्राओं ने सक्रिय भाग लिया।

इस मौके पर प्राचार्या कमलेश रानी ने कहा कि योग हमारी प्राचीन परंपरा है। योग को भारत ने विश्व को दिया है। हमारे ऋषि मुनियों ने योग का प्रचार-प्रसार किया। आज विश्व भर के लोग योग कर रहे हैं और योगासनों का लाभ उठा रहे हैं। योग करने से शारीरिक रूप से तो स्वस्थ होते हैं हीं बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी इसका बेहतर प्रभाव डालता है। योग से न केवल स्वयं का बल्कि पूरे समाज का कल्याण होता है। उन्होंने कहा कि योग कला के साथ-साथ एक विज्ञान भी है। निरंतर योग करने से कई बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि योग को दैनिक जीवन में शामिल किया जाना चाहिए।

इस अवसर पर कार्यवाहक प्राचार्या दीपा ढुल, योग क्लब के संयोजक डॉ. सतीश कुमार, पूजा रानी, डॉ अनुप्रिया, सुखराज,

डॉ. हितेंद्र कुमार, अनुराधा, डॉ. विक्रम सिंह, पवन कुमार, रेणु कुमारी, नीरज कुमार, राजकुमार, मीना आदि मौजूद रहे।

मकान में घुसकर चोरी करने के मामले में एंटी व्हीकल स्टाफ द्वारा 3 आरोपी गिरफ्तार

आभूषण चोरी मामले में आरोपी एंटी व्हीकल थेफ्ट गिरफ्त में। (छाया: एसबी)

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। मकान में घुसकर आभूषण चोरी करने के मामले की जांच एंटी व्हीकल स्टाफ प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एसआई शुभकरण सिंह व एएसआई जसमेर सिंह की टीम द्वारा करते हुए आरोपी गांव मुरथली जिला कुरुक्षेत्र निवासी बलविंद्र सिंह, इंद्रगढ जिला रोहतक सुनील कुमार व मुकेश कुमार को नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि डुलियाणी निवासी कलतार सिंह की शिकायत अनुसार 2 अप्रैल की रात लगभग 12 बजे कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने उनके डेरे में घुसकर सीसीटीवी कैमरे को ऊपर करके अलमारी का ताला तोड़कर सोने की 2 बालियाँ, 1 सोने की चेन तथा 24 हजार रुपये की नगदी चोरी कर ले गए। जिस बारे थाना पूंडरी में मामला दर्ज कर लिया गया। तीनों आरोपी इससे पूर्व चोरी के एक अन्य मामले में जिला कैथल जेल में बंद थे, जिनकी उक्त मामले में गिरफ्तारी के लिए माननीय न्यायालय की मार्फत प्रोडक्शन वारंट जारी करवाए गए थे। आरोपियों के कब्जे से 32 ग्राम सोना आभूषण बरामद किए गए हैं। व्यापक पूछताछ उपरांत सभी आरोपी न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिए गए।

केंद्र सरकार के 11 साल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित: कंवरपाल गुज्जर

■ केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में पूर्व शिक्षा मंत्री ने लगाई गई प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा के पूर्व शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुज्जर ने वीरवार को स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में विकसित भारत के अमृतकाल के तहत सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित 11 साल का उल्लेख सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग हरियाणा द्वारा लगाई गई जिला स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

इस मौके पर पूर्व शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुज्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा का कोई भी जिला ऐसा नहीं है जो हाईवे से जुड़ा हुआ न हो, अब कहीं पर भी जाना हो, तो समय की बचत होती है और व्यक्ति अपने स्थान पर तय समय-सीमा के अंदर पहुंच जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की एक अलग पहचान बनी है और हाल ही में देश के सैनिकों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सख्त शब्दों में संदेश दिया है कि आतंकवाद किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अनुच्छेद 370 और 35-ए हटने के बाद जम्मू-कश्मीर पूरी तरह भारत के संवैधानिक और राष्ट्रीय ढांचे में एकीकृत बना है। आज भारत पूरी दुनिया में आर्थिक दृष्टि से चौथे नंबर पर है और जो आर्थिक विशेषज्ञ है उनका मानना है कि 2027 तक भारत तीसरे स्थान पर आ जाएगा। उन्होंने स्वच्छता के बारे में कहा कि अब हर घर में शौचालय है तथा उज्जवला योजना के तहत हर पात्र व्यक्ति को गैस का सिलेंडर दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर घर तक स्वच्छ जल पहुंचाया जा रहा है, जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 100 प्रतिशत प्रत्येक घर में नल से जल पहुंचाया जा चुका है।

पूर्व शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुज्जर ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 55 करोड़ लोगों को प्रति वर्ष 5 लाख तक का निःशुल्क इलाज किया गया और 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को भी लाभ मिला है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ मकान बनाए गए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत 51 करोड़ लोगों को सुरक्षा कवरेज दी गई है। पीएम किसान सम्मान निधि से किसानों को हर वर्ष 6,000 रुपये वार्षिक सहायता दी जा रही है, इस योजना के तहत किसानों को अब तक 3.7 लाख करोड़ रुपए वितरित किए हैं।

पूर्व मंत्री ने किसानों के बारे में बोलते हुए कहा कि सरकार ने फसल बीमा योजना लागू की और फसल खराब होने पर उसे तय समय सीमा के अंदर मुआवजा भी दिया गया। उन्होंने पर्यावरण के बारे में बोलते हुए कहा कि हरियाणा में 70 साल से पुराने पेड़ के लिए पेंशन व्यवस्था लागू की गई है, ऐसा पूरे देश में कहीं और नहीं है, जो बच्चा स्कूल में आठवीं कक्षा उत्तीर्ण करेगा, स्कूल नौवीं कक्षा में बच्चे को एक पौधा देगा और जब बच्चा 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करेगा तो उसके पौधे की समीक्षा की जाएगी कि बच्चे ने पौधे की कैसी देखरेख की है उसके आधार पर उसे नंबर दिए जाएंगे जो उसके रोजगार में काम आएंगे।

पूर्व मंत्री ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत संसद व विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। पहली बार महिलाओं को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश का रास्ता बनाया है। इसके साथ ही मातृत्व अवकाश 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्यम वर्ग का जीवन आसान करने के लिए कई बड़े फैसले लिए गए। इनमें प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से 300 यूनिट मुफ्त बिजली, सौभाग्य योजना से 100 प्रतिशत घरों में बिजली कनेक्शन लगाए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के द्वारा भारत की शिक्षा प्रणाली को विश्वस्तरीय बनाया गया।

इस मौके पर इंद्री विधायक एवं चीफ व्हीप विधानसभा रामकुमार कश्यप, करनाल विधायक जगमोहन आनंद, मेयर रेनू बाला गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीन लाठर, चेयरपर्सन निर्मल बैरागी, हरियाणा ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष भारत भूषण जुयाल, भाजपा नेता राजबीर शर्मा, अशोक सुखीजा, अशोक भंडारी, मेहर सिंह कलामपुरा, धर्मपाल सिंह शांडिल्य, रघबीर बतान, रणबीर गोयत, सुरेंद्र टाया, संजय राणा तथा प्रशासन की ओर से एसडीएम अनुभव मेहता, डीआईपीआरओ मनोज कौशिक, एआईपीआरओ रघुबीर सिंह, एआईपीआरओ बलराम शर्मा, एआईपीआरओ अनुराग सहित अन्य उपस्थित थे।